संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 116
पृष्ठ 8
मंगलवार
13 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डाइट में शामिल करें एवोकाडो...

विचार- मुखर नेता थे राजगोपालाचारी

खेल- खुशी बांटना मेरा सौभाग्य...

विवेकानंद यूथ अवॉर्डः सीएम योगी बोले-

यूपी में न कर्फ्यू न दंगा...सब चंगा, नशे के कारोबार के खिलाफ आगे आएं युवा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर युवाओं को समर्पित कार्यक्रम श्युवा प्रतिभा सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाश का आयोजन किया गया। यह आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने मौजूद लोगों को संबोधित किया। इस मौके पर युवा कल्याण एवं खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि युवाओं का उत्साहवर्धन के लिए सीएम आए हैं। आज का दिन हमारे लिए प्रेरणा और संकल्प का दिन है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि उठो, जागो, तब तक मत

रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। यह हमें एकाग्रता, अनुशासन और प्रेरणा देता है। सरकार युवाओं के खेल, कौशल विकास और सशक्त बनाने का काम कर रही है। युवा स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें। संकल्प लेकर जाए, इसी पथ पर आगे बढ़ेंगे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विवेकानंद ने दुनिया को भारत की वास्तविक ताकत का एहसास कराया था। युवा, स्वामी जी से सीख लेकर पीएम मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जुट जाएं। स्वामी जी को पढ़े, समझें, आगे बढ़ें। जब देश गुलामी की जंजीर में जकड़ा था, उस समय भी शिकागो के सम्मेलन में गए थे। उनके रहने, भोजन आदि की भी व्यवस्था नहीं थी। आमंत्रण भी नहीं था। किंतु उन्होंने मां भारती के तिरंगे को कभी झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने कहा था, हमारे यहां टेलर नहीं चरित्र महान बनाता है। युवा उनके जीवन चरित्र को पढ़े। मां बीमार और दवा के लिए पैसे नहीं था। युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। युवा, मार्कशीट के पीछे भाग रहे हैं। कम नंबर आने पर छलांग लगा दे रहे हैं। अपनी प्रतिभा को पहचानो। देश, प्रदेश में हर ओर विकास कार्य। आज युवा अवसर ढूंढने वाला नहीं है, बल्कि अपनी अलग पहचान बना रहा है। युवा शसक्त तभी देश, प्रदेश सशक्त होगा।

इस मौके पर 21 करोड़ से बने 5 बहुउद्देश्यीय हाल का लोकार्पण किया गया। साथ ही तीन ग्रामीण स्टेडियम का शिलान्यास भी किया गया। इस मौके सीएम योगी ने कहा कि नशे का कारोबार क्रैश करने और पर्यावरण का संरक्षण के लिए युवा आगे आएं। आज महाभारत के किरदार वसूली नहीं कर सकते हैं, यदि करेंगे तो जेल जाएंगे। यूपी में न कर्फ्यू न दंगा, सब चंगा है। प्रदेश में पर्यटन के साथ रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सीएम ने युवाओं को गांव, ब्लाक में नशे के खिलाफ अभियान चलाने का सुझाव दिया। साथ ही कहा कि वे नशे के कारोबार को क्रैश करने के लिए काम करें। हमें इसके बारे में गोपनीय सूचना दें। उनकी प्रापर्टी जब्त की जाएगी। क्योंकि, नशा नाश का कारण है।

गुजरात में भारत-जर्मनी औद्योगिक समागमय पीएम बोले-

देश में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित इंडिया–जर्मनी सीईओ फोरम में दोनों देशों की प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। बैठक के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत–जर्मनी द्विपक्षीय व्यापार अपने अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया है और यह 50 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां लंबे समय से सक्रिय हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था और यहां उपलब्ध अवसरों पर उनके अटूट भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास आज सुबह आयोजित इंडिया–जर्मनी सीईओ फोरम में स्पष्ट रूप से नजर आया। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग में निरंतर मजबूती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं। इसी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए भारत–जर्मनी सेंटर

ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, जो ज्ञान, तकनीक और नवाचार के साझा मंच के रूप में काम करेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर मर्ज की मौजूदगी में भारत और जर्मनी के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले, चांसलर मर्ज की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा के तहत दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, तकनीक, शिक्षा, कौशल विकास और श्रमिक गतिशीलता सहित कई क्षेत्रों में जारी सहयोग की समीक्षा की गई।

स्वदेशी एमपीएटीजीएम का सफल परीक्षण, राजनाथ सिंह बोले-

आत्मनिर्भर भारत की ओर यह बड़ा कदम है

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को उच्च आक्रमण क्षमता वाली तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) के सफल परीक्षण के बाद रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), उसके उद्योग भागीदारों और रक्षा उद्योग को बधाई दी और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। भारत के रक्षा मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा कि हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) द्वारा तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) का गतिशील लक्ष्य पर सफल परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उच्च आक्रमण क्षमता वाली फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी– टैंक गाइडेड मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, डीसीपी भागीदारों और

उद्योग को बधाई दी और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सर्वोच्च आक्रमण क्षमता वाली तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) का 11 जनवरी, 2026 को महाराष्ट्र के अहिल्या नगर स्थित केके रेंज में डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला द्वारा एक गतिशील लक्ष्य पर सफल परीक्षण किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित एमपीएटीजीएम में इमेजिंग इन्फ्रारेड (आईआईआर) होमिंग सीकर, ऑल–इलेक्ट्रिक कंट्रोल एक्चुएशन सिस्टम, फायर कंट्रोल सिस्टम, टैंडम वारहेड, प्रणोदन प्रणाली और उच्च प्रदर्शन लक्ष्य प्रणाली जैसी अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियां शामिल हैं जिन्हें डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोगशालाओं जैसे अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद, टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी, चंडीगढ़, हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी, पुणे और इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, देहरादून द्वारा विकसित किया गया है।

नितिन नबीन ने यूथ को दिया सफलता का मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूज्य नेता को भारत के युवाओं पर अटूट विश्वास था कि वे राष्ट्र की प्रगति का नेतृत्व करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा भारतीयों को 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में आगे आने के लिए प्रेरित किया है।

नितिन नबीन ने कहा कि स्वामी विवेकानंद को युवाओं की शक्ति और नेतृत्व क्षमता पर अपार विश्वास था। हमारे प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी को हमारी युवा शक्ति पर पूरा भरोसा था।

चुनाव आयोग पर सीएम ममता के गंभीर आरोप, कहा-

20 वर्षों के वैधानिक सुधार की अनदेखी कर रहा चुनाव आयोग

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, आयोग अपने ही 20 वर्षों के वैधानिक सुधारों की अनदेखी कर रहा है, जिससे मतदाताओं को अपनी पहचान दोबारा स्थापित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बता दें कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले भी एक अन्य पत्र में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समक्ष कई गंभीर मुद्दे उठाए थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को सोमवार को एक और पत्र लिखा है। यह उनका पांचवां पत्र है। इसमें उन्होंने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया में हो रही गड़बड़ियों पर चिंता जताई है। ममता बनर्जी का दावा है कि 2002 की वोटर लिस्ट को डिजिटल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया गया, जिससे गंभीर गलतियां हुई हैं। उनका कहना है कि इन तकनीकी खामियों की वजह से असली वोटरों को गलत तरीके से विसंगति वाली श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है। मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह अपनी ही पुरानी प्रक्रियाओं की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में जो सुधार हुए थे, उन्हें दरकिनार कर वोटरों को फिर से अपनी पहचान साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने इसे मनमाना और संविधान की भावना के खिलाफ बताया।

चुनाव आयोग बागनान विधानसभा के एईआरओ पर कार्रवाई करेगा? एसआईआर पर सवाल उठाना पड़ेगा महंगा

कोलकाता, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के बागनान विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) मौसम सरकार के खिलाफ कार्रवाई के संकेत दिए हैं। मौसम सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी हैं। बागनान ब्लॉक–II के ब्लॉक आपदा प्रबंधन अधिकारी मौसम सरकार ने एसआईआर अभ्यास पर चिंता जताई थी। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने उनकी टिप्पणियों को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट

जारी कर संकेत दिया कि उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा सकती है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार ने कहा कि उन्हें अभी तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा, ष्मुझे अभी तक कोई पत्र नहीं मिला है। पत्र मिलते ही मैं उचित जवाब दूंगा। पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में कहा कि यदि सरकार को कोई शिकायत थी, तो उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष इसे उठाना चाहिए था या उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी से औपचारिक रूप से संपर्क करना चाहिए था। इसमें कहा गया कि ऐसे मामले में, उनका तबादला किसी अन्य पद पर किया जा सकता था।

मुनाफे के बावजूद निजी निवेश नदारद, घटती घरेलू बचत से बढ़ी चिंता, कांग्रेस ने सरकार को ऐसे घेरा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार का आम बजट 2026 अगले महीने फरवरी में पेश किया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि आने वाला केंद्रीय बजट में सुस्त प्राइवेट कॉर्पोरेट निवेश और आय में असमानताओं की चुनौतियों से निपटने के लिए सार्थक कदम उठाए जाएंगे। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि घरेलू बचत दरें काफी कम हो गई हैं, और धन, आय व उपभोग में असमानताएं लगातार बढ़ रही हैं। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह देखना बाकी है कि आने वाला केंद्रीय बजट सांख्यिकीय भ्रम के आराम से दायर से बाहर निकलकर

वास्तविकताओं और चुनौतियों को स्वीकार करता है, और उनसे निपटने के लिए सार्थक कदम उठाता है या नहीं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि संसद के आने वाले सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 2026–27 का बजट अब से 20 दिन बाद पेश किया जाएगा।

अपने एक्स पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा, श्संसद के आगामी सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2026/27 का बजट अब से बीस दिन बाद पेश किया जाएगा। यह बजट निस्संदेह 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को प्रतिबिंबित करेगा, जिसने 17 नवंबर 2025 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। ये सिफारिशें 2026ध27 से 2031/32 की अवधि को कवर करती हैं और केंद्र व राज्यों के बीच कर राजस्व के बँटवारे तथा राज्यों के बीच इन राजस्व के वितरण से संबंधित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मनरेगा को बुलडोजर से खत्म करने वाले नए कानून में लागू किए गए 60रू40 लागत को साझा करने के फॉर्मूले से पहले ही बेहद चिंतित राज्य सरकारें अब निश्चित रूप से और भी अधिक आशंका में उंगलियाँ क्रॉस किए बैठी होंगी। अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें तीन सबसे प्रमुख हैं। पहला, टैक्स में कटौती और अच्छे मुनाफे के बावजूद निजी कॉरपोरेट निवेश की दरें अब भी स्पष्ट रूप से सुस्त बनी हुई हैं।

जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में भ्रष्टाचार पर हाईकोर्ट नाराज, एफआईआर के आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में भ्रष्टाचार पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने जन्मतिथि में 11 वर्षों की हेराफेरी, जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर को संबंधित व्यक्ति और ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में भ्रष्टाचार पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने जन्मतिथि में 11 वर्षों की हेराफेरी, जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर को संबंधित व्यक्ति और ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन व न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी शिवशंकर पाल की याचिका पर दिया है। याची ने पासपोर्ट पर जन्मतिथि 1994 से बदलकर 2005 करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। कोर्ट ने रिकॉर्ड की जांच में पाया कि याची ने हाईस्कूल की परीक्षा वर्ष 2011 में उत्तीर्ण की थी, जबकि हाईस्कूल प्रमाणपत्र में उसकी जन्मतिथि 11 जुलाई 1994 दर्ज है। इस पर कोर्ट ने पूछा कि 2005 में जन्मा व्यक्ति छह वर्ष की उम्र में हाईस्कूल परीक्षा में कैसे शामिल हो गया। इसके अलावा, पासपोर्ट आवेदन के समय जमा आधार कार्ड में भी जन्मतिथि 1994 थी, जबकि बाद में संलग्न आधार कार्ड की प्रति में जन्मतिथि 2005 दर्शायी गई। कोर्ट ने नवंबर 2025 में ग्राम पंचायत की ओर से जारी जन्म प्रमाणपत्र पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

भूमि अधिग्रहण के लिए अधिकारियों और किसानों की बैठक, वाजिब मुआवजा देने की मांग

प्रयागराज। औद्योगिक गलियारा परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण के लिए रविवार को अधिकारियों व स्थानीय किसानों की बैठक हुई। इसमें किसान पड़ोसी गांव सराय लाल खातून के बराबर मुआवजा देने की मांग पर अडिग रहे। औद्योगिक गलियारा परियोजना के लिए सोरांव तहसील क्षेत्र के सराय लाल खातून, जुड़ापुर दांदू, हरमदिला, बस्ती की बाग व बारी गांव के सैकड़ों किसानों की तकरीबन 480 बीघा जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। किसानों का आरोप है कि सराय लाल खातून के गांव की अधिग्रहित एक बीघा जमीन के बदले करीब 72 से 92 लाख का मुआवजा दिया जा रहा है। जबकि बारी, जुड़ापुर दांदू, बस्ती की बाग व हरमदिला गांव के किसानों को प्रति बीघा करीब 30–35. 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है। जो न्यायसंगत नहीं है। इस वजह से किसान और अफसरों में तालमेल नहीं बन पा रहा है। रविवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह, एसडीएम ज्ञानेंद्र नाथ, तहसीलदार राजेश कुमार पाल ने बारी गांव स्थित एक स्कूल में किसानों के साथ बैठक की। किसान भारत लाल, राधेश्याम, राजू शुक्ला, राजेंद्र कुमार, लालचंद शुक्ल, धीरज कुमार पटेल समेत अन्य लोगों ने उचित मुआवजा देने की गुजारिश की। उन्होंने कहा कि पड़ोसी गांव सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ के बराबर ही मुआवजा हमें भी दिया जाए।

गैंगस्टर एक्ट के दुरुपयोग पर कोर्ट नाराज, अपर मुख्य सचिव गृह को कारण बताओ नोटिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के कथित दुरुपयोग और पुलिस शक्तियों के मनमाने इस्तेमाल पर नाराजगी जताई है। इस संबंध में मांगी गई जानकारी हलफनामे में न देने पर कोर्ट ने राज्य के अपर मुख्य सचिव (गृह) को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के कथित दुरुपयोग और पुलिस शक्तियों के मनमाने इस्तेमाल पर नाराजगी जताई है। इस संबंध में मांगी गई जानकारी हलफनामे में न देने पर कोर्ट ने राज्य के अपर मुख्य सचिव (गृह) को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ

ने दिया है।

गाजियाबाद निवासी याची राजेंद्र त्यागी और दो अन्य आवेदकों ने पुलिस की ओर से गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई में शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग कर हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कमिश्नरेट प्रणाली में गैंगचार्ट को मंजूरी देने के लिए जिला मजिस्ट्रेट की शक्तियों को पुलिस आयुक्त को सौंपने से संबंधित अधिसूचनाओं और कानूनी प्रावधानों पर स्पष्टीकरण मांगा था। कोर्ट ने गृह विभाग की ओर से दायर हलफनामों पर असंतोष व्यक्त किया। कोर्ट ने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने या तो पिछले आदेशों पर ध्यान नहीं दिया या बहुत ही लापरवाह पूर्वक काम किया।

गृह सचिव की ओर से दाखिल हलफनामे में कमिश्नरेट प्रणाली को दिल्ली, मुंबई और बंगलूरू की तर्ज पर जीरो टॉलरेंस नीति और एक उत्कृष्ट राष्ट्रीय अभ्यास बताया गया था। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि हलफनामा 27 नवंबर, 2025 के आदेश की मूल भावना और आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहा है। कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव (गृह) को यह बताने का निर्देश दिया है कि बार–बार आदेश दिए जाने के बावजूद गृह विभाग विशिष्ट विवरण प्रस्तुत करने में क्यों विफल रहा है। मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी 2026 को तय की गई है।

मेले में तीन हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान

44 दिन में 15–20 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना

प्रयागराज। माघ मेले में तीन हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। 44 दिन तक चलने वाले मेले में 15 से 20 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

पांच लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है। अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। महाकुंभ की तरह माघ मेला श्रद्धा के साथ ही व्यापार का भी बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। संगम तट पर लगने वाला यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि इससे स्थानीय और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी व्यापक संबल मिलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, 44 दिनों तक चलने वाले माघ मेले में लगभग 15 से 20 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है जिससे करीब तीन हजार करोड़ रुपये के कारोबार और पांच लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने का अनुमान है।

मेला शुरू होने से लगभग एक माह पूर्व और समापन के बाद तक निर्माण, परिवहन, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता, व्यापार और प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होता है।

मेला क्षेत्र में टेंट, पंडाल, मंच निर्माण, होटल, धर्मशाला, ट्रैवल ऑपरेटर, गाइड, रेस्टोरेंट, ढाबे, फल–सब्जी, फूल–माला, पूजा सामग्री, मिठाई–नमकीन, पानी व पेय पदार्थ आपूर्तिकर्ता, हस्तशिल्प कारीगर, नाविक और तीर्थ पुरोहितों की गतिविधियां संचालित होती हैं।

जानकारों के अनुसार मेले में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु औसतन दो से तीन हजार रुपये यात्रा, भोजन, ठहराव, दान–पुण्य और खरीदारी पर खर्च करता है। इसका सीधा लाभ न केवल प्रयागराज, बल्कि 150 किमी के दायरे में शहरों और कस्बों को भी मिलता है। अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है।

तीन बार माघ मेला अधिकारी रह चुके सेवानिवृत्त जितेंद्र कुमार के अनुसार मेला रोजगार के लिहाज से एक बड़ा अवसर है। अलग–अलग सेक्टरों में लाखों लोगों को काम मिलता है और करोड़ों रुपये का कारोबार होता है।

जनपद महिला व्यापार मंडल की कोषाध्यक्ष वंदना त्रिपाठी का कहना है कि माघ मेले के दौरान होटल, परिवहन, रेस्टोरेंट, फल–सब्जी और मिठाई सहित सभी प्रकार के कारोबार में सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक बढ़ोतरी दर्ज की जाती है।

ई–रिक्शा व ऑटो यूनियन के महामंत्री रमाकांत रावत के अनुसार जिले में 25 से 30 हजार ई–रिक्शा और ऑटो संचालित हैं, जिनकी औसत दैनिक आय लगभग एक हजार रुपये रहती है। इस हिसाब से 44 दिनों में परिवहन क्षेत्र से ही करीब 132 करोड़ रुपये की आमदनी का अनुमान है।

चाय विक्रेता मुन्ना मौर्य बताते हैं कि वे केवल मेले में दुकान लगाते हैं और इस दौरान लगभग दो लाख रुपये की आमदनी हो जाती है। बाकी समय वह खाद–बीज का व्यवसाय करते हैं।

राजस्थान के जयपुर की निवासी चंचल अग्रवाल का कहना है कि उनका परिवार तीन पीढ़ियों से माघ मेले में रत्न, रुद्राक्ष और पोशाकों का व्यापार कर रहा है। मेले की कमाई से पूरे साल का खर्च निकल जाता है और औसतन प्रतिदिन पांच हजार रुपये की बिक्री हो जाती है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के अनुसार महाकुंभ–2025 में तीन लाख करोड़ रुपये (लगभग 360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार हुआ था। सीएआईटी के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के अनुसार महाकुंभ में लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया था जिससे दस लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला।

70 से ज्यादा लोगों को बेची गई बीएएमएस की फर्जी डिग्रियां, सात साल से चल रहा था गोरखधंधा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के मेडिकल संस्थानों की बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) की फर्जी डिग्री बेचने के मामले में अहम खुलासा हुआ है।

उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के मेडिकल संस्थानों की बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) की फर्जी डिग्री बेचने के मामले में अहम खुलासा हुआ है। एसटीएफ की जांच में पता चला है कि आरोपी मोहम्मद तारूक ने प्रदेश के अलग–अलग जिलों के करीब 60 से 70 लोगों को बीएएमएस की फर्जी डिग्रियां बेची हैं।

इसके लिए उसने अपने साथ 10 से 12 एजेंट भी जोड़ रखे थे। ये एजेंट 20 से 30 फीसदी कमीशन पर प्रयागराज के आसपास के जिलों में ग्राहक तलाशते थे। इन ग्राहकों को झांसा दिया जाता था कि बिना परीक्षा के बीएएमएस की डिग्री मुहैया करा दी जाएगी। इसके लिए एजेंट कई डॉक्टरों का उदाहरण देकर ग्राहकों को अपने चंगुल में फंसा लेते थे। डील पक्की होने के बाद ये एजेंट

ग्राहकों को मोहम्मद तारूक से मिलवाते थे। तारूक इन लोगों को बीएएमएस की असली डिग्री देने का झांसा देकर छह से 10 लाख रुपये ऐंठ लेता था। जांच में पता चला कि पिछले करीब सात साल से आरोपी इस गोरखधंधे से लिप्त था।

एसटीएफ की जांच में पता चला कि बीएएमएस की डिग्री देने वाले के तार प्रयागराज के अलावा कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, फतेहपुर, कानपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, लखनऊ समेत अन्य जिलों से जुड़े हैं। यहां के लोगों को आरोपी कॉलेज की फर्जी डिग्री दे चुका है। एसटीएफ की टीम आरोपी मोहम्मद तारूक की कुंडली खंगालने में जुट गई है।

आरोपी की पत्नी की भूमिका की भी हो रही जांच

70 से अधिक लोगों को फर्जी डिग्री देने का खुलासा होने पर पुलिस की एक टीम ने आरोपी के बैंक खाते खंगाले। सूत्रों के अनुसार, आरोपी के पांच खातों का बैंक स्टेटमेंट निकलवाया गया है। हालांकि, टीम को इससे कुछ खास जानकारी नहीं मिली है। दूसरी तरफ, पुलिस आरोपी की पत्नी की भूमिका की भी जांच कर रही है।

कॉलेज के लोगों के भी शामिल होने का शक

मोहम्मद तारूक के पास आजमगढ़ बिजरवा स्थित शिवालिक आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज संबद्ध जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की फर्जी डिग्री के अलावा अन्य कई कॉलेजों की डिग्रियां मिली हैं। ये डिग्रियां जिले के अलग–अलग कॉलेजों की हैं। एसटीएफ टीम को शक है कि कॉलेज के लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं। मामले में एसटीएफ की टीम सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

सांसद उज्जवल रमण ने एसआईआर पर उठाए सवाल, कहा– चुनाव आयोग नाम जोड़ने में कर रहा भेदभाव

प्रयागराज। इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने एसआईआर पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि 24 प्रतिशत मतदाताओं का नाम प्रयागराज में कट जाना चिंता की बात है। इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने एसआईआर पर सवाल खड़े

किए हैं। कहा कि 24 प्रतिशत मतदाताओं का नाम प्रयागराज में कट जाना चिंता की बात है। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि एक पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए उनके ज्यादा लोगों जोड़ा जा रहा है। विपक्ष के लोगों का नाम न जोड़े जाने की साजिश और षड़यंत्र की बू आ रही है। एसआईआर में बड़ी गड़बड़ी की जा रही है। सरकार के इशारे पर कार्य किया जा रहा है। शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई लेकिन सरकार ने जब नहीं दिया। विश्वास लोकतंत्र की नींव को मजबूती देता है, लेकिन जनता का विश्वास डगमगा रहा है तो यह चिंता की बात है।

मांडा रोड और जंगीगंज को जोड़ने वाले नदी सेतु को मिली मंजूरी, मिर्जापुर, वाराणसी का सफर होगा आसान

प्रयागराज। शासन की तरफ से रविवार को मांडा रोड स्थित गंगा नदी पर सेतु को मंजूरी मिल गई। इस पुल के बनने से कोरांव, करछना, मेजा, मांडा और जंगीगंज के करीब 250 गांवों के लोगों का सफर आसान होगा। शासन की तरफ से रविवार को मांडा रोड स्थित गंगा नदी पर सेतु को मंजूरी मिल गई। इस पुल के बनने से कोरांव, करछना, मेजा, मांडा और जंगीगंज के करीब 250 गांवों के लोगों का सफर आसान होगा। इसके अलावा बनारस और मिर्जापुर आने–जाने में भी कम समय लगेगा। वहीं, शासन से मंजूरी के बाद तीन महीने के भीतर सेतु निगम पुल का निर्माण शुरू कर देगा। अभी तक मांडा रोड पर स्थित डेंगुर घाट पर पीपापुल के निर्माण के बाद उसका उपयोग आवागमन के लिए किया जाता था। जिसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। ऐसे में यहां पर पक्के पुल की मांग काफी लंबे समय से हो रही थी।

वहीं, करीब छह महीने पहले मांडा रोड से जंगीगंज को जोड़ने वाले गंगा नदी पर सेतु का प्रस्ताव सेतु निगम की तरफ से शासन को भेजा गया था। इस टू लेन पुल की कुल लंबाई 1340 मीटर है और पुल के निर्माण में 325 करोड़ रुपये व्यय होंगे। शासन की तरफ से इसे मंजूरी मिल गई है। मंजूरी मिलने से लोगों को काफी खुशी है। सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक रोहित मिश्रा ने बताया कि शासन से मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ऐसे में पुल का निर्माण तीन महीने के भीतर शुरू होने की संभावना है। इस पुल को बनने में लगभग तीन साल का समय लगेगा।

पिटाई से नाराज टैक्निशियन के छात्रों ने एसआरएन अस्पताल में बंद किया एक्सरे, एमआरआई और पैथालॉजी जांच

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के टैक्निशियन और रेडियोलॉजिस्ट के छात्रों ने हड़ताल शुरू कर दी है। इससे अस्पताल में 12 घंटे से एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई और पैथालॉजी समेत सभी जांच बंद हैं। टैक्निशियन छात्र का आरोप है कि ड्यूटी का समय पूरा हो जाने के बाद भी जूनियर डॉक्टर ने उस पर काम करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर पिटाई की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। मामले की जांच के लिए सीएमएस डॉ. नीलम सिंह ने डॉ. मोहित जैन के नेतृत्व में जांच कमेटी का गठन कर दिया है।

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के टैक्निशियन के छात्रों ने एक्सरे, अल्ट्रासाउंड एमआरआई और पैथॉलाजी समेत सभी जांच को बंद कर दिया है। इसके कारण मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों की हड़ताल रविवार शाम छह बजे से ही बंद है। छात्र शिवम रावत का आरोप है कि रविवार शाम को ड्यूटी समाप्त होने के बाद भी एक मरीज का

एक्सर करने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर मारा पीटा। आरोप है कि ड्यूटी का समय पूरा हो जाने के बाद भी छात्रों पर काम करने का दबाव बनाया गया। मना करने पर एक छात्र की पिटाई कर दी गई। दूसरे दिन सोमवार को भी हड़ताल जारी रही।

मरीजों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। दूर–दूर से आए तीमारदार मरीजों को व्हील चेयर और स्ट्रेचर पर लेकर खड़े हैं। अधिकारियों के आश्वासन के बाद भी जांच शुरू नहीं हुई। सीएमएस डॉ. नीलम सिंह ने डॉ. मोहित जैन की अध्यक्षता में मामले में जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। रिपोर्ट आने के बाद दोषी पर कार्रवाई की बात कही है।

उधर, छात्रों का कहना है कि उनका ड्यूटी का समय शाम चार बजे तक है लेकिन देर रात तक जबरन काम लिया जाता है। कहा कि इस तरह के माहौल में वह काम नहीं कर पाएंगे। कहा कि जब तक आरोपी चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हो जाती है तब तक वह काम नहीं करेंगे। कहा कि उनका उत्पीड़न किया जाता है और विरोध करने पर सेशन को लेट कर दिया जाता है। दो साल का कोर्स पूरा करने में तीन साल से ज्यादा का समय लगा दिया जाता है।

उच्च शिक्षा निदेशक की पात्रता को चुनौती देने वाली पीआईएल रिट ए में बदली

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा निदेशक (बीएल शर्मा) की पात्रता और उनकी नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को रिट ए में बदल दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा निदेशक (बीएल शर्मा) की पात्रता और उनकी नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को रिट ए में बदल दी है। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की पात्रता के खिलाफ जनहित याचिका स्वीकार्य नहीं है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने दिया है। प्रयागराज के बृजेंद्र कुमार मिश्रा की ओर से दायर जनहित याचिका में यूपी के उच्च शिक्षा निदेशक की पात्रता पर सवाल उठाए गए थे। कोर्ट ने कहा कि सेवा संबंधी मामलों या किसी अधिकारी की पात्रता के विरुद्ध जनहित याचिका दायर करना कानूनी रूप से उचित नहीं है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता को पात्रता संबंधी कोई आपत्ति है तो वह नियमित याचिका के माध्यम से न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट से अनुरोध किया कि इस जनहित याचिका को रिट–ए में परिवर्तित करने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने मामले के गुणों पर कोई टिप्पणी किए बिना इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कार्यालय को इस मामले को रिट ए के रूप में पंजीकृत करने का निर्देश दिया। जनहित याचिका की श्रेणी से हटाकर उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली चयन समिति करेगी उच्च शिक्षा निदेशक का चयन

प्रयागराज। उच्च शिक्षा निदेशक का चयन अब मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित चयन समिति करेगी। इस संबंध में शासन के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने निर्देश दिया है। उच्च शिक्षा निदेशक का चयन अब मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित चयन समिति करेगी। इस संबंध में शासन के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने निर्देश दिया है। अब चयन प्रक्रिया उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा (समूह 'क') सेवा (द्वितीय संशोधन) नियमावली–2008 के प्रावधानों के अनुसार होगा।

विशेष सचिव की ओर से उच्च शिक्षा कार्यालय को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि उच्च शिक्षा निदेशक का चयन राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत स्नातकोत्तर (पीजी) प्राचार्यों में से किया जाएगा। यह चयन लोक सेवा आयोग के पदों के लिए लागू विभागीय चयन समिति नियमावली के तहत गठित समिति द्वारा किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर को डॉ. बीएल शर्मा को कार्यवाहक निदेशक बनाया गया था।

विश्वनाथ में 12 जनवरी को महर्षि महेश योगी जी का जन्मदिवस 'ज्ञान युग दिवस' के रूप में मनाया

विश्वनाथ। भारत के महान संत अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चेतना वैज्ञानिक तथा भावातीत ध्यान के प्रणेता परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी का 109 वां जन्म दिवस आज प्रातः 10 बजे महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ विश्वनाथ चारिआलि आश्रम में ष ज्ञान युग

दिवस ष के रूप में मनाया गया। आज के कार्यक्रम के विशिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में विश्वनाथ जनपद के पुलिस अधीक्षक अजागोरण बसुमतारी ,विश्वनाथ जनपद के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री प्रभुनाथ सिंह, अवकाश प्राप्त शिक्षक श्री सूर्यनारायण पाण्डेय, पत्रकार ज्ञान पाडेय, शिक्षक संतोष –कुमार महतो जी सहित बहुत सारे गणमान्य लोग महर्षि जयंती समारोह मे मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विश्वनाथ जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजागोरण बसुमतारी ने महर्षि महेश योगी जी के फोटो के दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम गुरुपूजन, वेद पाठ, भावातीत ध्यान भजन कीर्तन एवं पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ। इस एक दिवसीय श्ज्ञान युगश समारोहश का आयोजन आश्रम के समस्त आचार्य, वरिष्ठ एवं बटुक पंडित एवं समस्त कर्मचारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । कार्यक्रम का संचालन आचार्य खगेन्द्र गौतम व पुन्य प्रसाद वास्तोला जी के द्वारा किया गया आश्रम प्रभारी श्री भूपाल कुमार शर्मा (सिद्धि शिक्षक) एवं श्री मनोज सिह द्वारा "महर्षि ज्ञान युग समारोहष मे आये हुये सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पी.आर. पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर पब्लिक स्कूल में आज स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक प्रधानाचार्य , सभी शिक्षक और छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल,स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी तथा उपस्थित युवा प्रतिभाओं सीमा त्यागी (आर्टिस्ट), दिग्विजय सिंह (सिंगर) योगेश कुमार (योगाचार्य), डॉक्टर राजीव (सदस्य बाल विकास समिति मुजफ्फरनगर), प्रवीण कुमार आदि द्वारा

स्वामी विवेकानंद जी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। छात्र–छात्राओं ने गीत संगीत प्रस्तुत किए। दिग्विजय सिंह जी के गीतों ने वातावरण को संगीतमय कर दिया। डॉक्टर राजीव जी ने कहा कि विवेकानंद का मानना था कि खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है और युवाओं को स्वयं पर भरोसा रखकर चुनौतियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने देश के युवाओं में जोश और सेवा भाव पर जोर दिया, यह कहते हुए कि गरीब और जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल ने बच्चों से कहा– स्वामी विवेकानंद के पद चिन्हों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। उन्होंने उपस्थित सभी युवा प्रतिभाओ का आभार व्यक्त किया तथा सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेट किए। कार्यक्रम का संचालन राखी पाल द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में दिव्या शर्मा, प्रवीण कुमार, प्रज्ञा सिंधी, शिखा ठाकुर, दीपक मलिक, आंचल गुप्ता, मयंक चौहान, अनुपम सैनी आदि का विशेष योगदान रहा।

भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर में राष्ट्रीय युवा दिवस का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन

मुजफ्फरनगर। आज भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में भारतीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जयंती बड़े ही उत्साह, श्रद्धा एवं प्रेरणादायी वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विद्यालय की आचार्या श्रीमती रेशु सैनी जी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, उनके विचारों एवं युवाओं के प्रति उनके संदेशों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए पथ–प्रदर्शक हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का सुंदर एवं प्रभावशाली मंच संचालन श्रीमती दुर्गेश नंदिनी कौशिक जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के उप–प्रबंधक आदरणीय डॉ. पी.के. श्रीवास्तव जी (डीन, माँ शाकुम्बरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकगण को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करने तथा उनके मार्ग पर चलने की सीख दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा जी ने विद्यालय परिवार की ओर से स्वामी विवेकानंद को शत–शत नमन करते हुए सभी से उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

डॉ. आनंद कुमार पिंगली को एनटीआरयूएचएस द्वारा प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार

विजयवाड़ा। चिकित्सा अनुसंधान पहचान में एक नया अध्याय चिह्नित करने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, सोमवार को एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार पिंगली को डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज द्वारा प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और महत्वपूर्ण पुरस्कार विश्वविद्यालय के उद्घाटन अनुसंधान दिवस समारोह के दौरान प्रदान किया गया जो 12 जनवरी, 2026 को आयोजित किया गया था, जो महान चिकित्सा अनुसंधान अग्रणी, डॉ. येल्लाप्रगडा सुब्बाराव के जन्मदिन की स्मृति में था।

डॉ. पिंगली संबद्ध संस्थानों के विशाल नेटवर्क से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुने गए। डॉ. पिंगली 53 प्रमुख शोधकर्ताओं में से पूरे होम्योपैथिक समुदाय से एकमात्र प्राप्तकर्ता के रूप में सामने आए हैं। यह अद्वितीय विशिष्टता होम्योपैथी के क्षेत्र में चिकित्सा ज्ञान को आगे बढ़ाने में उनके अभूतपूर्व प्रभाव और क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख संस्थान, डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा नवाचार के क्षेत्र में एक प्रकाश स्तंभ बना हुआ है। डॉ. येल्लाप्रगडा सुब्बाराव के जन्मदिन को अनुसंधान दिवस के रूप में मनाकर, विश्वविद्यालय ने वैज्ञानिक जांच को बढ़ावा देने और उसका जश्न मनाने की एक नई परंपरा शुरू की है। षसर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कारष के नेतृत्व वाली इस नई पहल का उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना है जो स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और होम्योपैथी सहित सभी विषयों में अग्रणी चिकित्सा प्रगति की समृद्ध विरासत को बनाए

रखते हैं।

12 जनवरी, 2026 को डॉ. एनटीआरयूएचएस, विजयवाड़ा में आयोजित पुरस्कार समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियों और उच्च पदस्थ गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

उपस्थित लोगों में डॉ. पी. चंद्रशेखर, कुलपति, डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय; डॉ. वी. राधिका रेड्डी, रजिस्ट्रार, डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय; डॉ. के. मधु मूर्ति, एपीएससीएचई के अध्यक्ष; और न्यायमूर्ति यू. दुर्गा प्रसाद राव, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, डीएमई कार्यालय की उच्च शक्ति समिति के अध्यक्ष शामिल थे। इस कार्यक्रम में डॉ. लोकेश्वर राव सज्जा, एम.एस, एम.सीएच, एफएसीएस, वरिष्ठ सलाहकार और कार्डियोथोरेसिक सर्जन, कार्डियोवस्कुलर सर्जिकल रिसर्च के निदेशक, स्टार हॉस्पिटल्स, हैदराबाद भी शामिल थे, जिन्हें डॉ. येल्लाप्रगडा सुब्बाराव पुरस्कार मिला और उन्होंने षचिकित्सा अनुसंधान का अतीत, वर्तमान, भविष्यष विषय पर मुख्य भाषण दिया।

डॉ. पिंगली का अनुसंधान पोर्टफोलियो विशेष रूप से पौधों पर आधारित होम्योपैथिक उपचारों पर केंद्रित है, जिसमें महिलाओं के बांझपन, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों पर महत्वपूर्ण जांच शामिल है। उनके नवीन दृष्टिकोण और अनुसंधान निष्कर्षों को अंतरराष्ट्रीय पीयर–रिव्यूड पत्रिकाओं में कई प्रकाशनों और वैश्विक सम्मेलनों में प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित किया गया है, जिससे वे इस क्षेत्र में एक दूरदर्शी नेता के रूप में स्थापित हुए हैं।

अपने अभूतपूर्व अनुसंधान के अलावा, डॉ. पिंगली, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका में, होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा में योग्यता–आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के पीछे एक प्रेरक शक्ति हैं। इसके अलावा, डॉ. पिंगली होम्योपैथिक मेडिकल एजुकेशन में मॉडर्न टेक्नोलॉजी को इंटीग्रेट करने में एक अहम व्यक्ति रहे हैं, जिससे ोत होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और उससे बाहर के स्टूडेंट्स के लिए सीखने के अनुभव और पढ़ाने के तरीकों में काफी सुधार हुआ है।

डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से षसर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कारष, विशेष रूप से एकमात्र होम्योपैथिक पुरस्कार विजेता के रूप में, डॉ. आनंदा कुमार पिंगली के ज्ञान की अथक खोज, साक्ष्य–आधारित होम्योपैथी के प्रति उनके समर्पण और चिकित्सा, शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य पर उनके परिवर्तनकारी प्रभाव का एक जोरदार समर्थन है, खासकर एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में उनके नेतृत्व के माध्यम से। यह मान्यता चिकित्सा बिरादरी के भीतर एक विचारशील नेता और प्रेरणा के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है।

चतुर्थ प्रयाग लोकरंगोत्सव 2026 में कत्थक नृत्य एवं नाटक 'नशा' की शानदार प्रस्तुति

प्रयागराज। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी प्रतिष्ठित रंगकर्मी स्व0अश्वनी अग्रवाल की स्मृति में इंडियन आर्ट एण्ड कल्चरल सोसाइटी द्वारा आयोजित एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दो दिवसीय चतुर्थ प्रयाग लोकरंगोत्सव 2026 का समापन बड़े ही मनोरंजक अंदाज में किया गया।

बेनहुर स्कूल एण्ड कालेज, करैलाबाग, प्रयागराज के सभागार में द्वितीय दिन के कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी अफ़ज़ल खान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति कत्थक नृत्य मंदिर प्रयागराज की कत्थक नृत्य रही। नृत्य निर्देशक इंद्र कुमार के सानिध्य में कलाकार श्री वर्मा और शशांक शर्मा ने उपस्थित दर्शकों से खूब

तालियां बटोरी। कार्यक्रम की द्वितीय प्रस्तुति इंडियन आर्ट एण्ड कल्चरल सोसाइटी की नाट्य प्रस्तुति 'नशा' रही। निर्देशक तेजेंद्र सिंह की इस शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। जानेमाने कलाकारों में पंकज गौड़, शुभेंद्रु, कौस्तुभ, तेजेंद्र सिंह, अनुभव, पृथ्वीराज, राहुल, हर्ष तथा रोहित बाजपेयी ने अपने अपने पात्रों से खूब न्याय किया।

संस्था के अध्यक्ष कौशिक भट्टाचार्य ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दर्शकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के मा.सदस्य प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा और वरिष्ठ रंगकर्मी तारिक खान ने कलाकारों को अंगवस्त्र और सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय रोग निदान पद्धति पर व्याख्यान

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्त्वावधान में गतिमान तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में आज भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय रोग निदान पद्धति पर देश के ख्यातिलब्ध आयुर्वेद चिकित्सकों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। प्रो. प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य, स्टेट आयुर्वेदिक कालेज, लखनऊ ने भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय रोग निदान पद्धति पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया । इस क्रम में डॉ. हरिशंकर मिश्रा, विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण ललित हरि स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पीलीभीत ने भारतीय ज्ञान परम्परा में वृक्षायुर्वेद पर दिये अपने व्याख्यान में आयुर्वेद में वृक्षों की महत्ता एवं विभिन्न वृक्षों के औषधीय गुणों से परिचित कराया। प्रो. वीरेन्द्र कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष कौमारभृत्य, राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, वाराणसी ने भारतीय ज्ञान परम्परा में कौमारभृत्य तथा प्रो. अंजना सक्सेना, विभागाध्यक्ष, प्रसूतितंत्र एवं स्त्रीरोग, राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, वाराणसी ने स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र पर अपने व्याख्यानों द्वारा कार्यशाला मे उपस्थित छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया। कार्यशाला के साथ ही साथ परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के छात्र–छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का संयोजन अंकित मिश्र ने किया। राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुख्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में परिसरीय छात्र–छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित होकर स्वामी विवेकानन्द के जीवन वृत्त एवं उनके दर्शन से सम्बन्धित चर्चा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, श्री रामसुरेश तिवारी, श्री राजेशकान्त तिवारी अन्य परिसरीय कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं के साथ अन्य शोध छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में राजधानी की रफ्तार थमी, 3 घंटे जाम, एम्बुलेंस फंसीं

लखनऊ,संवाददाता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के लखनऊ आगमन और स्वागत कार्यक्रम के चलते राजध ाानी की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। सोमवार सुबह करीब 10 बजे से दोपहर एक बजे तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम रहा। जाम में एम्बुलेंस भी फंसी रहीं। डायवर्जन वाले रूट पर भी वाहन रेंगते रहे। अयोध्या रोड पर कामता तिराहे से लेकर इस्माइलगंज तक लंबा जाम लगा रहा। शहीद पथ पर कामता से हुसड़िया तक वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। सुबह से ही ट्रैफिक रेंगता रहा और दफ्तर, स्कूल व जरूरी कामों से निकलने वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के अवध क्षेत्र में प्रथम आगमन पर भाजपा लखनऊ महानगर की ओर से भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। डालीबाग स्थित नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में सुबह 8 बजे से ही हजारों की संख्या में कार्यकर्ता जुटने लगे। शंखनाद, पुष्प वर्षा, ढोल–नगाड़ों और मंत्रोच्चार के साथ प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया गया। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग के अनुसार, नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में कैंट और सरोजिनी नगर विधानसभा के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत के बाद काफिला समता मूलक चौराहे पहुंचा। यहां पश्चिम और मध्य विधानसभा की ओर से अंजनी श्रीवास्तव और रजनीश गुप्ता ने स्वागत किया। वेव मॉल के सामने उत्तर और पूर्व विधानसभा की ओर से विध ाायक डॉ. नीरज बोरा और ओपी श्रीवास्तव ने भव्य मंच सजाकर पंकज चौधरी का अभिनंदन किया।

मेला है यह माघ का

(कुण्डलिया)

मेला है यह माघ का, संगम का है तीर।
माया नगरी है मगर, रहते यहाँ फ़कीर।
रहते यहाँ फ़कीर, धर्म पर चर्चा होती।
गीता वेद पुराण, शब्द की वर्षा होती।
सुन लो कहें प्रदीप,हुआ जब कभी अकेला।
माँ रहतीं तब साथ, गजब का पावन मेला।।

जमघट संगम पर हुआ, माघ हुआ खुशहाल।
धर्म–किताबें खुल गईं, लुप्त हो गये सवाल।
लुप्त हो गये सवाल, गंग–महिमा के कारण।
आते सभी प्रयाग,मोह का करने अर्पण।
सुन लो कहें प्रदीप, खोल अपना अंतरपट।
गंगा में स्नान, कर रही आयी जमघट।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विवेकानंद के आदर्शो पर चलकर ही एक सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है

प्रयागराज। स्वामी विवेकानंद जयंती के पावन अवसर पर भारत विकास परिषद, प्रयाग शाखा और विवेकानंद विद्याश्रम इंटर कालेज के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शरद गुप्ता जी ने कहा कि

विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर ही एक सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा के अध्यक्ष श्री राज नारायण अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि परिषद सदैव विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर समाज सेवा के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कृत संकल्प रहती है। शाखा के सचिव प्रो सुनील कांत मिश्र ने कहा कि स्वामी जी ने युवाओं को जो रास्ता दिखाया है उसी रास्ते पर चलकर युवा अपना, अपने समाज का और अपने देश का सही और उच्च विकास कर सकता है। प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र जी एवं ने अपने संबोधन में कहा कि विवेकानंद के आदर्श से प्रेरित संस्थाएं बच्चों में उच्च संस्कारों और मूल्यों का बीजारोपण करने के लिए कृत संकल्प है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, शिक्षिकाओं और छात्र–छात्राओं सहित भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

संस्कृत और संस्कृति का संवर्धन हिन्दुत्व की पहचान

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के निकट ओम गायत्री नगर गणेश पार्क एडीए कालोनी में रविवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक प्रकाश शर्मा के स्वागत उद्बोधन के बाद सम्मेलन के मुख्य अतिथि भागवत चिन्तक देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने कहा कि हिन्दू केवल धर्म ही नहीं है बल्कि एक जीवनधारा है। इसके प्रवाह में सनातनी सिद्धांत और मानवीय

मूल्य व्यवहार की शाश्वत परंपरा प्रवाहित है।

मुख्य वक्ता नगर प्रमुख कार्यवाह शिवप्रकाश जी ने कहा की राष्ट् अस्मिता संरक्षण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दू शक्ति सम्पन्न स्तम्भ है। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रशान्त सिंह शाण्डिल्य ने कहा कि ऋषि, कृषि और सृष्टि के विकास क्रम में हिन्दुत्व की विचारधारा सतत प्रगतिमान है। विशिष्ट वक्ता डॉ.पीयूष मिश्र पीयूष ने कहा कि राष्ट्रगौरव बोध की दिशा में संस्कृत और संस्कृति का संवर्धन हिन्दुत्व की सच्ची संरक्षा है। हिन्दू सांस्कृतिक जागरण के साथ साथ परिवार, समाज, देश और राष्ट्र की उन्नति में अटूट विश्वास रखता है।

कार्यक्रम अध्यक्ष हिन्दू महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री दीनानाथ तिवारी ने कहा की विश्व जागरण हिंदुत्व की पहचान है। मृत्युंजय पाण्डेय ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर आनन्द जी, छोटेलाल मौर्या, प्रकाश शर्मा राज नारायण पांडे, रमेश मिश्रा, ज्योति प्रकाश मिश्रा, अखिल त्रिपाठी, राजकिशोर शुक्ल, डॉ. करुणेश शुक्ल, शिव प्रकाश शर्मा, केशव सक्सेना, उत्पल मिश्रा, कुलदीप शास्त्री, लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं.: DY.CPM-GSU-PRYJ-09-2026 दिनांक: 09.01.2026
ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक(इंजीनियरिंग)/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 02.02.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-
निविदा नं.: GSU-09,कार्यों का विवरण: डिप्टी सीपीएम जीएसयू पीआरवाईजे के अधीन [illegible] के रूप में विकसित करने के संबंध में पी.वे का कार्य।
अनुमानित लागत : ₹ 1,80,98,589.96 | बयाने की रकम : ₹ 2,40,500.00
कार्य समापन की अवधि : 12 Months | निविदा खुलने की तिथि: 02.02.2026
इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: Any P-Way work
नोट: (1) आन लाइन निविदा दिनांक 02.02.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 02.02.2026 तक उपलब्ध है। [illegible] (MG)
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

देश में तेजी से बढ़ रही पोर्न देखने की लत

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे अनेक सर्वे बता रहे हैं कि देश में पोर्न (सैक्स सामग्री) देखने की लत यानी पोर्न एडिक्शन सभी वर्गों में तेजी से बढ़ रही है। पोर्न देखने की आदत जब इस हद तक पहुंच जाए कि पर्सनल और प्रोफैशनल लाइफ इससे प्रभावित होने लगे तो समझ जाना चाहिए कि पोर्न एडिक्शन की शुरुआत हो चुकी है। यह एक खतरनाक बुरी आदत है और इसके कारणों और दुष्प्रभावों को जानना जरूरी है। हर वक्त पोर्न के ख्यालों में खोने की वजह से एडिक्शन का शिकार इंसान न तो कोई नई बात सोच पाता है और न ही कुछ प्लान कर पाता है। उसके आसपास के लोग इसे आदत का बदलाव समझ कर उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते और वह इंसान एडिक्शन में डूबता चला जाता है। पोर्न एडिक्शन और सैक्स एडिक्शन दोनों अलग बातें हैं। जहां सैक्स एडिक्शन का असर सैक्सुअल लाइफ को प्रभावित करता है, वहीं पोर्न एडिक्शन जिंदगी के कई क्षेत्रों को प्रभावित करता है। अक्सर पोर्न देखने वाले रात में देर तक पोर्न देखते हैं और इस वजह से बाकी दिन सुस्त रहते हैं। न उनके काम का कोई वक्त होता है, न आराम का–किसी काम में मन न लगना, शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद पोर्न देखना जारी रखना, ज्यादा–से–ज्यादा बार मैस्टरबेट करना, अपने पार्टनर के प्रति अरुचि, सैक्सुअल बिहेवियर में भारी बदलाव, जैसे एग्रैसिव हो जाना, पार्टनर की भावनाओं की कद्र न करना, पोर्न को दुनिया की हर परेशानी और टैंशन से दूर भागने के टूल की तरह इस्तेमाल करना। यह एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक विकार है, जिसको ठीक करना आसान नहीं होता। ऐसा नहीं है कि पोर्न देखने की लत सिर्फ उम्रदराज लोगों में ही हो सकती है, 9 से 15 साल तक के बच्चों पर इस तरह का एडिक्शन तेजी से कब्जा करता है। तकरीबन 9 साल की उम्र से ही मर्दानगी लाने वाला हॉर्मोन बनने लगता है और इसी के चलते ऐसी चीजों को लेकर उत्सुकता बढने लगती है। हजारों की संख्या में स्कूली और कॉलेज जाने वाले छात्र भी इस लत का शिकार हो रहे हैं, यह एक बड़ी सामाजिक चिंता है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि काम के दौरान पोर्न देखना अब आम हो गया है, क्योंकि ऑनलाइन पोर्न तक पहुंच आसान हो गई है। एक लोकप्रिय डिजिटल लाइफस्टाइल पत्रिका के लिए किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण से यह पता चला है कि 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने बताया कि उन्होंने ऑफिस में काम करते हुए पोर्न देखी है। पोर्न का चलन पश्चिमी देशों से आया है। इन देशों में पोर्न इंडस्ट्रीज अरबों डॉलर का व्यापार करती हैं। कुछ दशकों से भारत में भी पोर्न वीडियो देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह भारतीय संस्कृति पर एक बड़ा प्रहार है। पोर्न देखने से हमारी निजी जिंदगी को नुकसान पहुंचता है। एक रिसर्च के अनुसार, अधिक पोर्न वीडियो देखने से दिमाग सिकुडने लगता है। पोर्न देखने वालों में एक अलग तरह की उत्तेजना पैदा होती है। मनोवैज्ञानिक मत है कि पोर्न देखकर सैक्स करने से सही ऑर्गज्म नहीं मिलता। ऑक्सीटोसिन एक लव हार्मोन है, जो पुरुष और महिलाओं दोनों को एक–दूसरे को आकर्षित करने में मदद करता है। पोर्न फिल्मों में जिस तरह से सैक्स करना दिखाया जाता है, उससे ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज नहीं होता। इससे प्यार की फीलिंग नहीं आती। कई बार पुरुष अपनी फीमेल पार्टनर से बिल्कुल पोर्न वीडियोज में दिखाए जाने वाले एक्ट करने की डिमांड करते हैं, जो सबके लिए करना आसान नहीं होता। इससे शादीशुदा रिश्ते खराब होने लगते हैं। न्यूरोसाइंटिस्ट कहते हैं कि बहुत ज्यादा पोर्न देखने से मनोविकार की स्थिति पैदा हो सकती है। पोर्न देखने की लत आपको अकेला कर देती है। समाज और परिवार से दूर निकलकर आप हमेशा अकेलापन खोजते हैं। ऐसे लोग पोर्न देखने के मजे में इतने डूब जाते हैं कि उन्हें परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ रहना खास अच्छा नहीं लगता। पोर्न देखने की टाइमपास आदत भी अति के बाद लत की शक्ल ले लेती है और जब तक इसकी गिरफ्त में होने का अहसास होता है, आसपास काफी कुछ तहस–नहस हो चुका होता है। क्या इस लत से बचना समाज के लिए संभव होगा।

नैटफ्लिक्स' ने बदल दी स्ट्रीमिंग की दुनिया

वनीता कोहली

इस सप्ताह नैटफ्लिक्स भारत में 10 साल पूरे कर रहा है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर और भारत में मीडिया के मानचित्र के पतन और उसके बाद हुए पुर्ननिर्धारण पर फिर से विचार करने का यह एक उपयुक्त समय है। 1990 के दशक में नैटफ्लिक्स डी.वी.डी. किराए पर देता था। इसने यूट्यूब के 5 साल बाद, 2010 में स्ट्रीमिंग शुरू की। हालांकि, 'हाऊस ऑफ कार्ड्स' के निर्माण ने सब कुछ बदल दिया। पहले दो सीजन के 26 एपिसोड बनाने में 10 करोड़ डॉलर का खर्च आया, जो एक पूरी फिल्म के बजट के बराबर था। एक सीजन के सभी एपिसोड एक साथ रिलीज किए गए और इसकी कीमत 8 से 12 डॉलर प्रति माह थी, जबकि केबल टी.वी. की कीमत 50 डॉलर या उससे अधिक थी। यह मनोरंजन जगत में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव था, जब से एम.पी.3 जैसी कम्प्रेशन तकनीकों ने 90 के दशक के उत्तरार्ध में संगीत उद्योग को तबाह कर दिया था। नैटफ्लिक्स ने ऑन–डिमांड, भुगतान–आधारित स्ट्रीमिंग की संभावनाओं को प्रदर्शित किया, जो एक ही समय में लीनियर टैलीविजन, थिएटर रिलीज और समाचार चौनलों को प्रतिस्थापित कर सकती थी और इसने उस क्षमता को साकार भी किया। 39 बिलियन डॉलर के साथ राजस्व और 300 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबरों के मामले में, यह दुनिया की सबसे बड़ी पेड स्ट्रीमिंग सेवा है। ये वे दर्शक थे, जिनके लिए दूसरे भी तरस रहे थे। चाहे बात ज्यादा उत्पाद बेचने की हो (अमेजन की) या लोगों को ज्यादा खोज करने के लिए प्रेरित करने की (गूगल की), कई बड़ी तकनीकी कंपनियों को भौगोलिक क्षेत्रों, तकनीकों और उपकरणों में फैले विशाल दर्शकों की जरूरत थी। इनमें से ज्यादातर, जैसे अमेजन और एप्पल, फॉक्स, डिज्नी, वार्नर जैसी पुरानी मीडिया कंपनियों के साथ, वीडियो स्ट्रीमिंग में हाथ आजमा रहे थे। लेकिन नैटफ्लिक्स के आने के बाद, स्ट्रीमिंग एक गंभीर क्षेत्र बन गया और अमेजन प्राइम वीडियो, एप्पल और कई अन्य कंपनियों ने भी अपनी पकड़ मजबूत कर ली। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि जिनके पास सबसे ज्यादा संसाधन और प्लेटफॉर्म होंगे, उनकी सौदेबाजी की शक्ति सबसे ज्यादा होगी। टैक्नोलॉजी और मीडिया क्षेत्र की बड़ी कंपनियों का कुल राजस्व 160 अरब डॉलर से लेकर 600 अरब डॉलर तक है। सबसे बड़े पारंपरिक स्टूडियो का राजस्व 30 अरब डॉलर से 80 अरब डॉलर के बीच है। यही कारण है कि 2017 में रूपर्ट मर्डोक ने ट्वंटी–फर्स्ट सैंचुरी फॉक्स की मनोरंजन संपत्तियों, जिनमें स्टार इंडिया भी शामिल थी, को वॉल्ट डिज्नी कंपनी को बेचने का फैसला किया। लगभग उसी समय, जी कंपनी प्रोमोटरों द्वारा उत्पन्न ऋण संकट से जूझ रही थी, उसने अपने हिस्से की बिक्री करने का निर्णय लिया। सोनी–जी का विलय तो नहीं हो पाया लेकिन पी.वी.आर. –इनॉक्स और जियोस्टार (स्टार इंडिया और वायाकॉम 18) जैसे अन्य विलय हो गए। जिस तरह वैश्विक मानचित्र में बदलाव आया, उसी तरह भारतीय मानचित्र में भी बदलाव आया। दस साल पहले किसी आइसलैंडिक शो को ढूंढना, उसका आनंद लेना और फिर और भी देखने की इच्छा रखना कितना संभव था? स्ट्रीमिंग वीडियो या ओ.टी.टी. द्वारा दुनिया भर से पेश की जाने वाली कहानियों का भंडार असाधारण है और नैटफ्लिक्स ने हमें इनसे परिचित कराया, जिसके बाद अन्य चौनल भी जुड़ गए। जिस तरह आप और मैं कोलंबियाई, स्पैनिश, जर्मन, तुर्की या कोरियाई शो और फिल्में खोज रहे हैं,

उसी तरह दुनिया भर में लाखों लोग कोहरा, पाताल लोक, मिर्जापुर, फैमिली मैन या दिल्ली क्राइम जैसी भारतीय फिल्मों और शोज को खोज रहे हैं। ये स्थानीय कहानियां हैं, जिन्हें भारतीय कहानीकारों ने भारतीय भाषाओं में सुनाया है। स्ट्रीमिंग के जरिए इन्हें वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा रहा है, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। नैटफ्लिक्स या अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला हर भारतीय शो 200 देशों में उपलब्ध है। इनमें से कई शो की समीक्षा दुनिया भर के कुछ प्रमुख समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और टी.वी. चौनलों में की जाती है। विदेशों में रिलीज हुई कुछ सबसे बड़ी भारतीय फिल्में–फॉक्स स्टूडियो की 'माई नेम इज खान' (2010) या डिज्नी की 'दंगल' (2016)–को यह लोकप्रियता नहीं मिली। दशकों से 'क्रॉसओवर फिल्म' की चर्चा के बाद, भारतीय कहानियां आखिरकार क्रॉसओवर कर रही हैं। उन्हें नियमित रूप से अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया जा रहा है। 2020 में 'दिल्ली क्राइम' और 2023 में 'वीर दास' की लैंड्क्षडग ने पुरस्कार जीते। दोनों फिल्में नैटफ्लिक्स पर थीं। दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म निर्माण उद्योग अब अपनी कहानी कहने की कला को दुनिया के सामने प्रर्दशित कर रहा है। नैटफ्लिक्स (और स्ट्रीमिंग) के 10 वर्षों ने भारत को जो सबसे अच्छी चीजें दी हैं, उनमें से यह एक है।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप–प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति सम्बन्धी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के प्रेस में जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे थे। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा। वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब तब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है। तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी 2021 का चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल के पद को हथियाने में सफल रही। 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं। पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं।

मुखर नेता थे राजगोपालाचारी

कांग्रेस के दिग्गज नेता राजगोपालाचारी, जिनको राजाजी के नाम से बुलाया जाता था, आजद भारत के पहले गवर्नर जनरल थे। वह तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में पैदा हुए थे। उनके पिता तमिलनाडु के सेलम के न्यायालय में न्यायाधीश थे। राजाजी स्वयं बड़े वकील थे लेकिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने जमी–जमाई वकालत छोड़ दी। देश की आजादी के आंदोलन में कूद गये। गांधी जी के छुआछूत विरोधी आंदोलन ने उनको प्रभावित किया था। बाद में वह पंडित जवाहर लाल नेहरू के भी बहुत अच्छे मित्र बन गये। महात्मा गांधी से तो उनकी रिश्तेदारी हो गयी थी राजाजी के सबसे छोटी बेटी लक्ष्मी की शादी महात्मा गांधी के छोटे बेटे देवदास से हुई थी। राज गोपालाचारी राष्ट्र हित से कभी समझौता नहीं करते थे। इसीलिए जब द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार को गांधी और नेहरू ने नैतिक समर्थन किया और पूर्ण स्वतंत्रता की शर्त भी नहीं रखी तो राजाजी ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर स्वतंत्र पार्टी बनायी। वह विद्वान और लेखन क्षमता के धनी थे। भारत सरकार ने 1954 में राजाजी को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया था। गीता और उपनिषदों पर सारगर्भित टीका करने वाले राजाजी 28 दिसम्बर 1972 को चेन्नई में स्वर्ग सिधार गये। यह भी एक संयोग था कि 1872 में 10 दिसम्बर को ही उनका जन्म हुआ था।

राजगोपालाचारी तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में पैदा हुए थे। वह बहुत बड़े वकील थे। उन्हें राजनीति में लाने का श्रेय गांधीजी को है। उन्हें भारतीय राजनीति में राजाजी के नाम से ज्यादा जाना जाता है। वो वकील, लेखक, राजनीतिक और दार्शनिक थे।उनके पिता तमिलनाडु के सेलम के न्यायालय में न्यायाधीश थे। राजाजी पढ़ने में जीनियस थे। लगातार प्रथम श्रेणी पास होते थे। गांधी के असहयोग आंदोलन का उन पर इतना असर हुआ कि उन्होंने अपनी जमी–जमाई वकालत छोड़ दी और खादी पहनने लगे। वह देश के आजाद होने के बाद पहले गवर्नर जनरल बने। वह महात्मा गांधी के समधी थे। नेहरू जी उनको देश का पहला राष्ट्रपति बनवाना चाहते थे लेकिन ऐसा हो नहीं सका। एक जमाने में वह नेहरू के अच्छे दोस्त थे। बाद में नेहरू और कांग्रेस को लेकर उनके ऐसे मतभेद हुए कि उन्होंने नई पार्टी बनाकर कांग्रेस के खिलाफ ही ताल ठोंक दी। गांधी के छुआछूत आंदोलन और हिंदू–मुस्लिम एकता के कार्यक्रमों ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया।

1937 में हुए चुनावों के बाद राजाजी मद्रास के प्रधानमंत्री (तब मुख्यमंत्री के समकक्ष पद) बने और 1939 में जब वायसराय ने एकतरफा निर्णय लेकर भारत को द्वितीय विश्वयुद्ध में धकेल दिया तो उन्होंने विरोध स्वरूप इस्तीफा दे दिया। गांधीजी के वो बहुत करीब थे। अक्सर उन्हें जब गंभीर मामलों पर कोई सलाह लेनी होती थी तो अक्सर राजाजी ही याद आते थे। दोनों की अंतरंगता इतनी बढ़ी कि राजाजी ने अपनी बेटी को गांधीजी के आश्रम में रहने के लिए भेजा। राजाजी की बेटी लक्ष्मी जब वर्धा के आश्रम में रह रही थीं तभी उनके और गांधीजी के छोटे बेटे देवदास के बीच प्यार हो गया। देवदास तब 28 साल के थे और लक्ष्मी 15 की। तब ना तो गांधीजी इस शादी के पक्ष में थे और ना ही राजाजी। उन्होंने देवदास के साथ एक बहुत कठिन शर्त रखी कि वो 05 साल तक लक्ष्मी से अलग रहें। अगर तब भी दोनों का एक दूसरे के प्रति प्यार कायम रहेगा तो शादी कर दी जाएगी। ऐसा ही हुआ। फिर दोनों की शादी हो गई। इस तरह राजाजी और गांधीजी आपस में समधी बन गए।

वह गांधीजी के कितने करीब थे, इसका पता इस बात से चलता है कि जब भी गांधीजी जेल में होते थे, उनके द्वारा संपादित पत्र 'यंग इंडिया' का सम्पादन चक्रवर्ती ही करते थे। जब कभी गांधी जी से पूछा जाता था, 'जब आप जेल में होते हैं तब बाहर आपका उत्तराधिकारी किसे समझा जाए?' तब गांधी जी सहज भाव से कहते, 'राजा जी, और कौन? हालांकि दूसरे विश्व युद्ध के शुरू के दौरान उनकी कांग्रेस से ठन गई। वो गांधीजी के विरोध में खड़े थे। गांधीजी का विचार था कि ब्रिटिश सरकार को इस युद्ध में केवल नैतिक समर्थन दिया जाए, वहीं राजा जी का कहना था कि भारत को पूर्ण स्वतंत्रता देने की शर्त पर ब्रिटिश सरकार को हर प्रकार का सहयोग दिया जाए। मतभेद इतने बढ़े कि राजा जी ने कांग्रेस की कार्यकारिणी की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया।हालांकि फिर कांग्रेस में लौटे।

वो पहले शख्स थे, जिन्होंने 1942 में इलाहाबाद कांग्रेस अधिवेशन में देश के विभाजन पर सहमति जता दी थी। उस समय उनका बहुत विरोध हुआ लेकिन उन्होंने इसकी कोई परवाह नहीं की। हालांकि 1947 में वही हुआ, जो वो पांच साल पहले कह चुके थे।

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –24)

लेखिका –अतिया नूर

मैं समीर को बहुत देर तक फ़ोन करती रही मगर उसने फ़ोन रिसीव नहीं किया। मैं पागलों की तरह कॉलोनी में उसे ढूंढती रही लेकिन वह मुझे नहीं मिला। थक हार कर मैं घर लौट आई, मुझे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे मेरे जिस्म में जान ही न हो। उस दिन घर में किसने क्या खाया पिया मुझे कुछ पता नहीं क्योंकि मैं अपने होश हवास खो बैठी थी ।सारी रात मैं रोती और ईश्वर से प्रार्थना करती रही कि – हे ईश्वर! मेरे बच्चे को अच्छा रखना, अगर जान ही लेनी है तो मेरी ले लेना.....। प्रार्थना करते – करते कब सुबह हो गई पता ही नहीं चला। सुबह लगभग ग्यारह बजे मोबाइल फ़ोन की घंटी बजी तो प्रकाश का नंबर देखकर मैं चौंक गई। मैंने मोबाइल उठाया तो प्रकाश ने कहा कि – आंटी जी आप परेशान मत होइए, समीर मेरे पास है। उसको मैं फिर से काम पर लगा रहा हूं। समीर का प्रकाश के पास होना मुझे अच्छा तो नहीं लगा मगर समीर के ठीक – ठाक होने की बात सुन मेरे मन को कुछ तसल्ली ज़रूर हासिल हुई। हालांकि मैं डरी हुई यह सोच रही थी कि – बड़ी मुश्किल से तो समीर सही रास्ते पर आया था कहीं प्रकाश उसे फिर न किसी ऐसे दलदल में ढकेल दे जहां से समीर को निकालने के सारे रास्ते बंद हो जाएं। मेरा डर यूंही नहीं था, मैं ग़लत नहीं सोच रही थी क्योंकि इस बार प्रकाश ने मेरे समीर को कुछ यूं बर्बाद किया कि उफ्फफ ।

मैं अब देर तक सोचती रहती हूं कि – समीर की बर्बादी में प्रकाश को कहां तक और क्यूं दोष दूं? समीर तो काफ़ी हद तक सुधर गया था लेकिन घर से बेघर उस नवयुवक को सहारा तो प्रकाश ने ही दिया था। आख़िर कब तक प्रकाश पर दोषारोपण करूं?

समीर के मन में अपने पिता के प्रति आक्रोश था जो बगावत में तब्दील हो गया था। उसने फ़ोन पर मुझे बताया कि – प्रकाश ने बिजनेस करने के लिए उसे ब्याज पर पैसे दिए हैं, अब वह इन्हीं पैसों से काम शुरू करेगा और कुछ बनकर अपने पिता को दिखा देगा। उसके तेवर देख मैं डर गई, क्योंकि उसके मन में शेखर के प्रति हद से ज्यादा नफ़रत की भावना पनप उठी थी।

मैं चक्की के दो पाटों में पिसती चली गई, पिसती गई। इन परिस्थितियों के कारणवश मैं अजीब सी दिखने लगी लगी। हर कोई मुझे बीमार कहने लगा, हां बीमार ही तो थी मैं, मैं क्या, मेरी जगह कोई भी होता तो वह भी बीमार हो जाता....

धीरे धीरे बढ़ रही हूं इस कहानी के अंत की ओर, आह किस दिल से लिखूं वह सारी बातें, आंसुओं को किस तरह रोकूं? आख़िर इस कहानी के दुखद अंत को किस तरह शब्दों में पिरोऊं? मेरे साथ मेरा क़लम भी रो रहा है शायद!

समीर ने प्रकाश से ब्याज पर पैसा लेकर सवारी गाड़ियां ख़रीदीं। पहले एक, फिर दो, फिर तीन। वह अपनी सफलता पर बहुत प्रसन्न था।जो काम वह कर रहा था उस काम के लिए गुंडागर्दी और दबंग होना ज़रूरी था। मेरा समीर फूल से शूल हो गया। उसका सुंदर, सलोना, भोला व्यक्तित्व समय की गर्त में समा गया उसके व्यवहार में गुंडागर्दी और दबंगई झलकने लगी थी।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

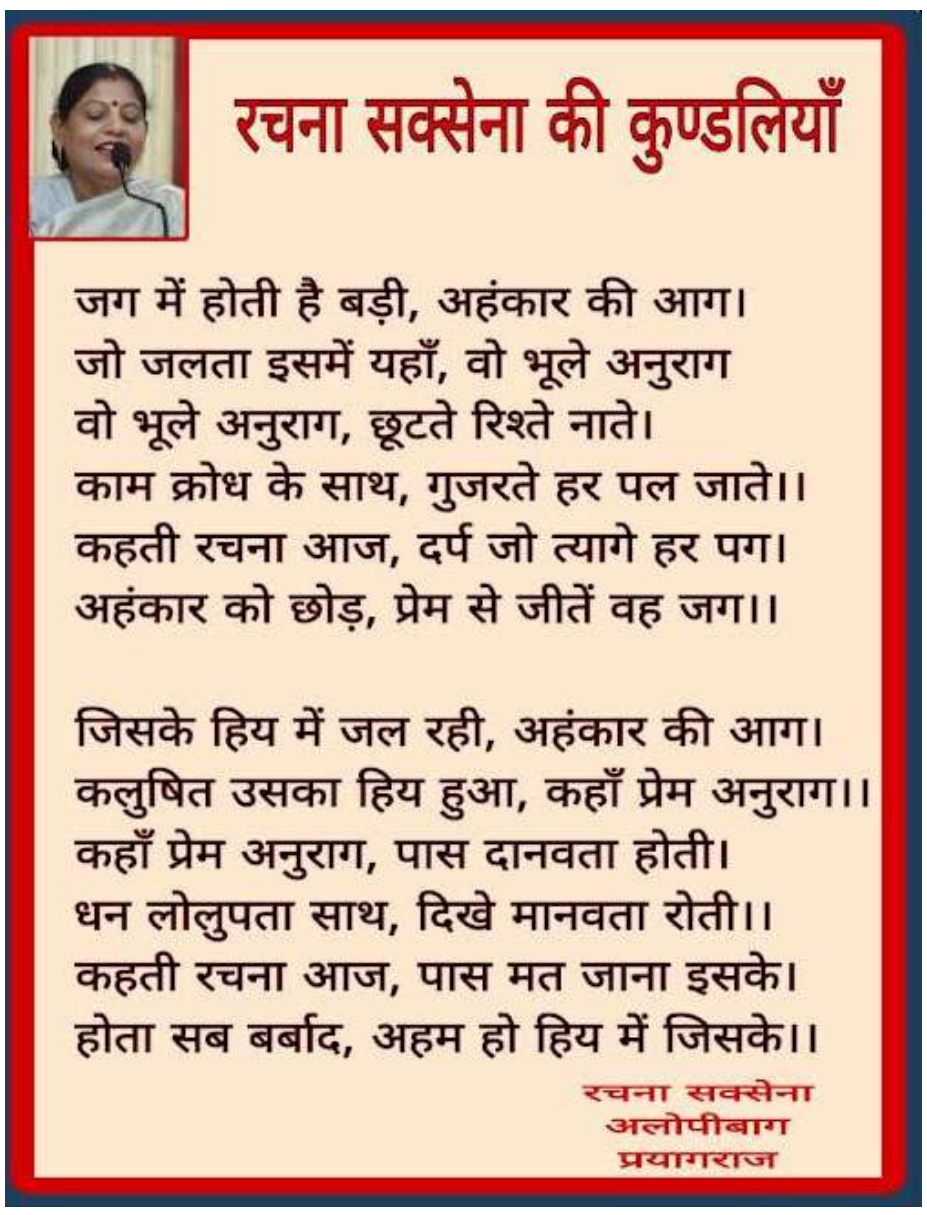

न्यूयॉर्क से लौटे रणवीर दीपिका ने एयरपोर्ट मारी स्टाइलिश एंट्री, हाथों में हाथ थामे दिखी दीपवीर की जबरदस्त केमिस्ट्री

बॉलीवुड कपल पिछले साल 2025 में अपने नए साल 2026 का स्वागत करने न्यूयॉर्क पहुंचे थे, जहां दोनों ने खूब एंजॉय किया और फैंस संग तस्वीरें भी क्लिक करवाईं। इतना ही नहीं, न्यूयॉर्क में हाल ही में दीपिका ने अपने करीबी दोस्त की शादी भी अटेंड की। वहीं, अब लंबी छुट्टियों के बाद रणवीर सिंह और दीपिका अपने देश वापस लौट आए है। हाल ही में न्यूयॉर्क वेकेशन से लौटे दीपवीर को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। एयरपोर्ट लुक की बात करें तो इस दौरान रणवीर और दीपिका दोनों ही विंटर आउटफिट में नजर आए। हमेशा की तरह दोनों ने अपने फैशन सेंस से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। रणवीर सिंह ने डेनिम के साथ ब्लैक जैकेट पहनी। इसके साथ वह कैप और सनग्लासेस लगाए दिखे, जिसमें उनका लुक बेहद कूल और हैंडसम लगा। उनका कैजुअल लेकिन स्मार्ट स्टाइल फैंस को खूब पसंद आया। वहीं दीपिका पादुकोण भी किसी से कम नहीं दिखीं। उन्होंने भी डेनिम और ब्लैक जैकेट कैरी क, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लगीं। दीपिका का सादगी भरा लेकिन क्लासी अंदाज हमेशा की तरह फैंस को खूब भाया। एयरपोर्ट पर दोनों ने हाथों में हाथ डाले एक साथ एंट्री ली, जिससे कपल की जबरदस्त बॉन्डिंग दिखी। इस दौरान कपल ने पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज दिए। जैसे ही उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की बौछार कर दी। लोग कपल की केमिस्ट्री की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और उनके लुक्स को सोबर, स्टाइलिश और परफेक्ट बता रहे हैं। काम की बात करें तो दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्म किंग में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। वहीं, उनके पति रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई यह फिल्म आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है।

क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव पर झूठे आरोप लगा बुरी फंसी खुशी मुखर्जी, हुआ 100 करोड़ की मानहानि का केस

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी आए दिन मुंबई में स्पॉट होती रहती है, जहां वो अपनी बोल्डनेस और बेबाक बयानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। वहीं, पिछले दिनों खुशी ने भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव को लेकर एक टिप्पणी की थी, जो उन्हीं पर भारी पड़ गई है। उनके बयान के चलते उनके खिलाफ 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा हुआ है। दरअसल, पिछले दिनों एक इवेंट में खुशी मुखर्जी से पूछा गया था कि उन्हें कौन सा क्रिकेटर पसंद है और वह किसे डेट करना चाहेंगी ? इसपर खुशी ने कहा कि वह किसी भी क्रिकेटर को डेट नहीं करना चाहती हैं। मेरे पीछे बहुत से क्रिकेटर पड़े थे। वह कौन सा क्रिकेटर है.... हां, शायद सूर्यकुमार यादव। वह मुझे बहुत मैसेज करते थे, लेकिन हमारी बहुत बातचीत नहीं होती है। मुझे किसी के साथ जुड़ना पसंद नहीं है। मुझे कोई भी लिंक–अप पसंद नहीं है। अब उनका ये बयान उन्हीं पर भारी पड़ता दिख रहा है। क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव पर झूठे आरोप लगाने के चलते खुशी मुखर्जी के खिलाफ गाजीपुर में 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दर्ज किया गया है। इतना ही नहीं गाजीपुर एसपी डॉ. इरज राजा से खुशी मुखर्जी को जल्द से जल्द गिरफ्तार तक करने की मांग की गई है। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक खुशी मुखर्जी की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पाताल लोक 2 फेम एक्टर प्रशांत तमांग का 43 की उम्र में निधन

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आ रही है। फेमस सिंगर और वेब सीरीज पाताल लोक 2 में नजर आ चुके एक्टर प्रशांत तमांग अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 43 साल की उम्र में निधन हो गया है। प्रशात के निधन की पुष्टि फिल्ममेकर राजेश घाटानी ने की है। इसके साथ ही सिंगर महेश सेवा ने सोशल मीडिया के जरिए दिवंगत एक्टर को श्रद्धांजलि दी है। यह दुखद समाचार सामने आते ही इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सिंगर महेश सेवा के बताया प्रशांत तमांग का निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ है। उन्होंने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए प्रशांत तमांग को श्रद्धांजलि दी और लिखा–'प्यारे भाई प्रशांत के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं।' वीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी प्रशांत के निधन पर दुख व्यक्त किया और एक्स पर लिखा, 'इंडियन आइडल फेम और मशहूर सिंगर प्रशांत तमांग के आज अचानक और असमय निधन से बहुत दुख हुआ। उनका संबंध ा हमारे दार्जिलिंग से भी था। मैं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के लिए अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।' बता दें, 43 साल के प्रशांत तमांग टीवी शो इंडियन आइडल–3 के विजेता रह चुके थे इस रियालिटी शो में आने से पहले वह कोलकाता पुलिस में थे और समय–समय पर पुलिस कार्यक्रमों में गाते थे। इसके बाद वह टीवी शो इंडियन आइडल में आए और इसके विनर बने। इंडियन आइडल जीतने के बाद प्रशांत ने सोनी बीएमजी के साथ अपना पहला एल्बम निकाला, जिसमें हिंदी और नेपाली गाने थे। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग के तौर पर काम किया और जयदीप अहलावत स्टारर सीरीज 'पाताल लोक 2' में नजर आए। इस सीरीज में उनके विलेन डेनियल लेचो के रोल को काफी पसंद किया गया था।

जन नायगन की रिलीज में फिर आई अड़चन तो कमल हसन ने दी प्रतिक्रिया–भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का

सुपरस्टार थलापति विजय की फिल्म श्जन नायगनश रिलीज के लिए इन दिनों कई मुश्किलों को सामना कर रही है। शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय ने सीबीएफसी को फिल्म के लिए यूध्ए 16 प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया, हालांकि बाद में सीबीएफसी द्वारा चुनौती देने के बाद इसकी सुनवाई के लिए 21 जनवरी का दिन तय किया गया है। फिल्म को सीबीएफसी से प्रमाणपत्र नहीं मिलने के कारण पोंगल के अवसर पर इसकी रिलीज को स्थगित करना पड़ा। ऐसे में अब एक्टर कमल हासन ने जन नायकन को सीबीएफसी से प्रमाण पत्र नहीं मिलने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया पर चिंता जताई है। कमल हासन ने किसी संस्था का नाम लिए बिना या किसी विशिष्ट फिल्म का जिक्र किए बिना कहा, भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधिकार देता है। यह क्षण किसी एक फिल्म से बड़ा है, यह उस स्थान को दर्शाता है, जो हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में कला और कलाकारों को देते हैं। एक्टर ने कहा, सिनेमा केवल एक व्यक्ति का श्रम नहीं है, बल्कि लेखकों, तकनीशियनों, कलाकारों, प्रदर्शकों और छोटे व्यवसाय करने वालों का सामूहिक प्रयास है, जिनकी आजीविका एक निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया पर निर्भर करती है। हासन ने पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि सेंसरशिप के अस्पष्ट कामकाज रचनात्मकता को दबा सकती हैं और फिल्म उद्योग में आजीविका को क्षति पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा, जब स्पष्टता का अभाव होता है, तो रचनात्मकता सीमित हो जाती है, आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं और जनता का विश्वास कमजोर होता है। अब प्रमाणन प्रक्रिया पर फिर से विचार करने, प्रमाणन के लिए समय निश्चित करने, मूल्यांकन को पारदर्शी बनाने और सुझाए गए प्रत्येक कट या संपादन के लिए लिखित व तर्कसंगत औचित्य देने की आवश्यक्ता है। इसके साथ ही कमल हासन ने फिल्म इंडस्ट्री से श्एकजुट होने और सार्थक, रचनात्मक संवाद में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सुधार रचनात्मक स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेंगे और अपने कलाकारों व लोगों पर विश्वास जताकर भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करेंगे। बता दें पहले जन नायगन इसी महीने 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सर्टिफिकेट में देरी की वजह से मेकर्स को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। फिल्म निर्माताओं ने मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि बिना किसी ठोस वजह के 'जना नायगन' का सर्टिफिकेशन रोका जा रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुनाया था, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि 'जना नायगन' को बिना किसी और देरी के 'न।' सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

'मर्दानी 3' का ट्रेलर रिलीज, रानी मुखर्जी का दिखा दबंग अंदाज,जानें कब रिलीज होगी फिल्म?

सोमवार को रानी मुखर्जी की अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी 3' के ट्रेलर रिलीज हुआ। एक बार फिर वह दबंग पुलिस ऑफिसर के रोल में दिख रही हैं। इस बार उनका किरदार जिस केस को वह हैंडल करेगा, वह काफी खतरनाक होने वाला है। देखिए, कैसा है फिल्म 'मर्दानी 3' का ट्रेलर।

फेस्टिव सीजन में इन टिप्स को फॉलो कर करें मेकअप, चांद सा चमक उठेगा चेहरा

आमतौर पर लड़कियों व महिलाओं को मेकअप करना काफी ज्यादा पसंद होता है। त्योहारों या फिर किसी फंक्शन–पार्टी के लिए महिलाएं सजना–संवरना पसंद करती हैं। मेकअप के लिए वैसे तो महिलाएं कई प्रोडक्ट इस्तेमाल करती हैं और ड्रेस के हिसाब से मेकअप करती हैं। लेकिन कई बार तमाम सावधानियां बरतने के बाद भी कुछ ऐसी गलतियां हो जाती है। जिसकी वजह से फेस पर मेकअप सही नहीं लगता है। ऐसे में मेकअप का चुनाव करते समय अपनी ड्रेस और स्किन का भी खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि आपको बता दें कि अलग–अलग तरह की स्किन और कॉम्प्लेक्शन के लिए अलग–अलग मेकअप किया जाता है। ऐसे में अगर आपको भी सजना–संवरना काफी ज्यादा पसंद है। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेकअप करने के दौरान ध्यान रखने वाले कुछ टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन टिप्स को फॉलो कर अपने लुक को निखार सकती हैं।

फेयर स्किन

जिन लड़कियों व महिलाओं की स्किन फेयर होती है। उनको वेज पिंक टिंट वाला फाउंडेशन लेना चाहिए। वहीं अगर कॉम्प्लेक्शन यलोइश है, तो आपके लिए वेज और ओरेंज अंडरटोन फाउंडेशन बेस्ट होगा। वहीं फेयर स्किन के लिए ब्लैक आइब्रो पेंसिल की जगह ब्राउन रंग की आइब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं अगर आपको ब्लैक आईलाइनर लगाना पसंद है, तो आपको ब्लैक आईलाइनर के साथ लाइट ब्राउन रंग का आईशैडो यूज करना चाहिए। वहीं फेयर स्किन वाली लड़कियों को अपने गालों पर रेज या पिंक ब्लश लगाना चाहिए। वहीं लाइट मेकअप करने के साथ न्यूड या पिंक लिप्सटिक आप पर ज्यादा जचेगी।

डस्की स्किन

वहीं डस्की स्किन वाली लड़कियों को अपने लिए वॉर्म टोन का फाउंडेशन चुनना चाहिए। साथ ही आप केरेमल शेड का कंसीलर इस्तेमाल कर सकती है। अगर डार्क सर्कल हैं, तो इसके लिए कंसीलर का अच्छे से इस्तेमाल करें। वहीं फाउंडेशन को ब्लेंड करने के लिए ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपकी स्किन में फाउंडेशन अच्छे से ब्लेंड हो जाएगा। इसके साथ आई मेकअप के लिए ब्राइट कलर का आईशैडो लें। इससे आपकी आंखें अच्छे से हाइलाइट होंगी। इस स्किन कलर वाली लड़कियों पर कॉफी ब्राउन, मॉव कलर और डार्क रेड लिपस्टिक काफी ज्यादा अच्छी लगती है।

सांवली स्किन

इस स्किन टोन वाली लड़कियों व महिलाओं को ब्राउनिश शेड वाले फाउंडेशन को चुनना चाहिए। हांलाकि फाउंडेशन लेने के दौरान इसको अपनी कलाई पर लगाकर चेक करना चाहिए। इससे आपको आसानी से पता चल जाएगा कि यह आपकी स्किन पर मैच हो रहा है या नहीं। सांवली स्किन पर ब्राउन रंग का ब्लश ज्यादा अच्छा लगता है। इसके साथ ही आप हाइलाइटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आई मेकअप के लिए हल्के रंग चुनें। आप आई मेकअप के लिए सिल्वर या कॉपर रंग का आईशैडो ले सकती है। स्मोकी आई लुक पाने के लिए ब्लैक आइलाइनर को स्मज करके लगाना चाहिए। फिर हल्के ब्राउन कलर के आईशैडो लगाएं। इस स्किन टोन पर न्यूड शेड्स काफी जचते हैं।

महिलाएं इन तरीकों से पर्सनल हाइजीन को कर सकती हैं मेंटेन, जरूर फॉलो करें ये टिप्स

शरीर का हाइजीन मेंटेन रखना जरूरी नहीं, बल्कि हमारी जरूरत भी होती है। क्योंकि हाइजीन का ध्यान न रखने पर हमारे शरीर में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। जिससे स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। वहीं पीरियड्स और वजाइनल हेल्थ में कई बदलाव होने से महिलाओं को इंफेक्शन की संभावना हो सकती है। इसलिए जरूरी होता है कि फुल बॉडी हाइजीन पर विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि महिलाओं को शरीर हाइजीन को मेंटेन रखने के लिए किन टिप्स को फॉलो करना जरूरी होता है।

समय पर बदलें पैड

कई महिलाएं पीरियड्स के दौरान पूरा दिन एक ही पैड लगाए रखती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि पैड न चेंज करने से आपको वजाइनल इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। बता दें कि पैड पर ज्यादा समय गंदा ब्लड लगा रहने से बैक्टीरिया पनपने का खतरा बना रहता है। ऐसे में आपको वजाइनल इंफेक्शन भी हो सकता है। इसलिए हर 4 से 6 घंटे के अंतराल पर पैड जरूर बदलना चाहिए।

न पहनें टाइट पैंट्स

बहुत ज्यादा टाइट पैंट्स पहनने से थाइज और वजाइना में पसीना आने लगता है। जिससे बैक्टीरियल इंफेक्शन होने का खतरा हो सकता है। जिससे आपको खुजली के साथ इरिटेशन भी हो सकता है। इसलिए बहुत ज्यादा देर के लिए टाइट पैंट्स पहनने से बचना चाहिए। खासकर पीरियड्स के दौरान टाइट कपड़े पहनने की गलती न करें। वरना यह क्रैंप्स की वजह भी बन सकती है।

न यूज करें रेजर

हेयर रिमूव का इस्तेमाल करने से त्वचा सॉफ्ट और क्लीन रहती है। लेकिन कई लोग रेजर का इस्तेमाल करने के दौरान सावधानी नहीं बरतते हैं। क्योंकि रेजर का इस्तेमाल करने से पहले त्वचा को अच्छे से हाइड्रेट करना चाहिए। वहीं इसते इस्तेमाल के बाद त्वचा को मॉइस्चराइज करना चाहिए। ऐसा न करने पर आपको खुजली और जलन की समस्या हो सकती है।

डाइट में शामिल करें एवोकाडो से बनीं टेस्टी डिशेज, सेहत को मिलेंगे कई जबरदस्त फायदे

हमारी सेहत के लिए एवोकाडो काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसको एलीगेटर पियर के नाम से भी जाना जाता है। एवोकाडो में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, आयरन, जिंक, कॉपर आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। वैसे तो आप सलाद के तौर पर भी एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं। वहीं इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम एवोकाडो की कुछ बेहद लजीज और टेस्टी डिशेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप आसानी से घर पर बनाकर खा सकती हैं।

एवोकाडो का सलाद

आप एवोकाडो को सलाद के तौर पर भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। एवोकाडो का सलाद बनाने के लिए आप इसमें टमाटर, खीरा, लेटिस और ग्रीन वेटिटेबल भी एड कर सकते हैं। इससे सलाद को एक क्रीमी टैक्सचर मिलेगा, जोकि खाने में काफी टेस्टी होगा।

एवोकाडो स्प्रेड

सलाद के अलावा आप इसको स्प्रेड की तरह भी सकते हैं। यह खाने में टेस्टी और हेल्दी होता है। एवोकाडो स्प्रेड बनाने के लिए आप सबसे पहले इसे मैश कर लें। फिर इसके ऊपर ब्रेड का टोस्ट लगाकर फैला दें। अब इसके ऊपर पोच्ड एग, टमाटर और चिली फ्लेक्स की टॉपिंग्स कर इसका सेवन कर सकते हैं।

एवोकाडो की स्मूदी

एवोकाडो स्मूदी टेस्टी होने के साथ ही सेहत के लिए भी काफी हेल्दी मानी जाती है। इसकी स्मूदी तैयार करने के लिए आप अपना पसंदीदा फ्रूट लें, फिर एवोकाडो, योगर्ट और एलमंड मिल्क के साथ इसे ब्लेंड कर दें। इस आसान तरीके से यह स्मूदी बनकर तैयार हो जाएगी।

एवोकाडो का रायता

एवोकाडो का रायता बनाने के लिए सबसे पहले इसे मैश कर लें। फिर इसमें प्याज और टमाटर डालें। इसके बाद नींबू का रस, नमक, लाल मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इस तरह से एवोकाडो का रायता बनकर तैयार हो जाएगा।

ऐसे बनाएं एवोकाडो चॉकलेट मूज

सबसे पहले तो बता दें कि एवोकाडो चॉकलेट मूज एक डेसर्ट है। जो खाने में टेस्टी होने के साथ काफी हेल्दी भी होता है। एवोकाडो चॉकलेट मूज बनाने के लिए एवोकाडो, वनीला एक्सट्रैक्ट, कोकोआ पाउडर और स्वीटनर को एकसाथ ब्लेंड कर लें। अब इसको कप में डालकर इसका आनंद लें।

सर्दियों में बार- बार लेते हैं चाय- कॉफी की चुस्की? जान लें इससे होने वाली 5 समस्याओं को

ठंड ने दस्तक दे दी है। ऐसे में शरीर को गर्म रखने के बार–बार चाय कॉफी की चुस्की लेना चाहते हैं। लेकिन इसमें भारी मात्रा में कैफीन होता है, जो की सेहत को नुकसान पहुंचता है। इसके चलते कई सारी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आइए आपको बताते है ठंड में ज्यादा चाय–कॉफी पीने से होने वाले नुकसान...

अनिद्रा

अगर आप ठंड में बचने के चक्कर में ज्यादा चाय–कॉफी पीते हैं तो इसमें मौजूद कैफीन से मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन प्रभावित होता है। इससे नींद न आने की समस्या होती है। अनिद्रा से बचने के लिए रात को चाय या कॉफी पीने से बचना चाहिए। आप चाहें तो गर्म दूध का भी सेवन कर सकते हैं।

तनाव

कई सारे लोग सिर दर्द से राहत के लिए या दिनभर की थकान को खत्म करने के लिए चाय–कॉफी का सहारा लेते हैं। बता दें 1 कप चाय– कॉफी में करीब 60 मिलीग्राम कैफीन होता है। इस मात्रा में कैफीन लेने से एंग्जाइटी महसूस हो सकती है। चाय या कॉफी की जगह आप हर्बल टी का सेवन कर सकते हैं।

मोटापा

ठंड में ज्यादा चाय–कॉफी मोटापे की वजह बन सकती है। दूध और चीनी से बनी चाय–कॉफी सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। इससे वजन तेजी से बढ़ता है। डायबिटीज के मरीजों को भी इससे परहेज करना चाहिए।

कब्ज, एसिडिटी

ज्यादा चाय–कॉफी पीने से पाचन तंत्र बिगड़ सकता है। ज्यादा मात्रा में कैफीन के सेवन से पाचन तंत्र के लिए अच्छा नहीं होता है। ज्यादा कैफीन का सेवन करने से पाचन तंत्र के लिए अच्छा नहीं होता। ज्यादा कैफीन के सेवन से कब्ज, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

डिहाइड्रेशन

ठंड में ज्यादा चाय या कॉफी पिएंगे, तो डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इससे त्वचा ड्राई हो जाती है और हर समय कमजोरी महसूस होगी। ठंड के दिनों में हर्बल टी, ग्रीन टी, ब्लैक कॉफी और पानी जैसे पेय पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

देर रात तक जागने से खराब होगी मेंटल हेल्थ, जानें कैसे करें इससे बचाव

ज्यादा तनाव और मोबाइल स्क्रीन पर लंबा समय बिताने के कारण बहुत से लोगों को रात में नींद नहीं आती। रात में नींद पूरी न हो पाने के कारण अगले दिन के कार्यों पर भी प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा देर रात तक जागने के कारण मेंटल हेल्थ भी खराब हो सकती है। तो चलिए आज आपको अपने इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि यदि आपको रात में नींद अच्छी नहीं आती तो आप क्या कर सकते हैं....

देर रात जागने से खराब होगी मेंटल हेल्थ

एक्सपर्ट्स की मानें तो हर व्यक्ति के लिए नींद बहुत ही जरुरी होती है। मस्तिष्क को ठीक करने और रिलैक्स रखने के लिए पर्याप्त नींद जरुरी होती है। कुछ अध ययनों की मानें तो रात को अच्छी नींद लेने के कारण लोग अपनी समस्याओं को बेहतर तरीके से सुलझा पाते हैं और इससे व्यक्ति की क्रिएटिविटी भी बढ़ती है। वहीं इसके विपरित यदि कोई व्यक्ति रात भर जागता है और पूरी नींद नहीं लेता है तो स्थिति बदल सकती है। पूरी नींद न लेने के कारण अपनी भावनाओं को कंट्रोल करना, समस्याओं को सुलझाना और व्यवहार को नियंत्रण में रखना मुश्किल हो जाता है जिसके चलते लोग अवसाद से घिर जाते हैं।

कैसे लें पूरी नींद?

हेल्थ पर दें ध्यान

जिन लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं वह भी पूरी नींद नहीं ले पाते। ऐसे में यदि आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत है तो एक बार एक्सपर्ट्स को दिखाएं। स्वस्थ रहने पर अच्छी नींद आने में मदद मिलेगी।

बदलें लाइफस्टाइल

यदि आप देर रात तक जागते हैं तो यह भी लाइफस्टाइल से जुड़ी एक बुरी आदत है। ऐसे में आप अपना लाइफस्टाइल बदलें, पोषक तत्वों से युक्त आहार

एंग्जाइटी से दूर रहें। इससे आपको अच्छी नींद आने में मदद मिलेगी।

मोबाइल और टीवी से रहें दूर

आप कैसी जगह पर सो रहे हैं इससे भी आपकी नींद बहुत ही प्रभावित होती है। बेडरुम में टीवी या फिर रेडियो जैसी चीजों को न रखें। इन चीजों के कारण आपकी नींद रुक सकती है। वहीं यहां तक कि बेडरुम में पड़े इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स जैसे मोबाइल फोन आदि लेकर सोने के लिए न जाएं। इससे भी आपकी नींद डिस्टर्ब हो सकती है।

स्लीपिंग पैटर्न सेट करें

कई बार माहौल, डाइट लाइफस्टाइल अच्छा होने के बाद भी अच्छी नींद नहीं आती। यह बिगड़ते स्लीपिंग पैटर्न के कारण हो सकता है। यदि बिस्तर पर लेटने के बाद भी आपको नींद नहीं आती है तो आप आरामदायक म्यूजिक सुन सकते हैं या फिर कोई मनपसंदीदा किताब पड़ सकते हैं। इसके बाद भी यदि स्लीपिंग पैटर्न सही नहीं होता है तो डॉक्टर को संपर्क करें।

संक्षिप्त

300 चेज करते हुए कोहली का ये रिकॉर्ड देखा क्या? जयसूर्या का विराट रिकॉर्ड तोड़ने की भी दहलीज पर

वडोदरा,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बड़ोदा में खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में भारत ने रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की। टीम इंडिया ने 49वें ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया। भारतीय टीम की जीत में विराट कोहली ने अहम भूमिका निभाई और 91 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 93 रन की पारी खेली। इसकी बदौलत टीम इंडिया ने एकबार फिर 300 से ज्यादा रन के लक्ष्य का सफल पीछा करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। कोहली ने एक बार फिर यह साबित किया कि 300 चेज में वह दुनिया के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। इस मैच के बाद कोहली सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाने तक सीमित नहीं रहे, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड्स भी उनके नाम दर्ज हुए। वनडे क्रिकेट में 300 लक्ष्य का पीछा करना हमेशा कठिन माना गया है, लेकिन विराट कोहली ने इस श्रेणी में एक अलग ही मानक तय किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 93 रन की पारी के बाद अब कोहली के 300 सफल चेज में आंकड़े बेहतरीन हैं। उन्होंने सफल 300 चेज में 12 पारियों में 1091 रन बनाए हैं और वो भी 121.22 की औसत और 125 के स्ट्राइक रेट से। सिर्फ आंकड़े ही नहीं, बल्कि हालात के अनुसार खेलने की क्षमता उन्हें इस सूची में सबसे अलग बनाती है। इस दौरान उन्होंने सात शतक और दो अर्धशतक भी जड़े हैं। भारतीय जीत के बाद यह चर्चा भी तेज हुई कि कोहली कितने तेजी से प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड्स की सूची में आगे बढ़ रहे हैं। अभी इस लिस्ट में सचिन और जयसूर्या पहले और दूसरे स्थान पर हैं, लेकिन कोहली बहुत करीब हैं। वनडे में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड्स में कोहली के 45 पुरस्कार हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं। कोहली जयसूर्या (48 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड्स) से सिर्फ तीन अवॉर्ड दूर हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए यह रिकॉर्ड जल्दी टूट सकता है। सचिन के 62 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड्स अभी दूर हैं, लेकिन वे भी अब चर्चा में आने लगे हैं। कोहली की सबसे बड़ी ताकत लगातार रन बनाना है। इस मैच ने एक और खास रिकॉर्ड को उजागर किया। वनडे क्रिकेट में पांच या उससे ज्यादा लगातार 50 स्कोर सबसे ज्यादा बार बनाने का रिकॉर्ड अब सिर्फ विराट कोहली के नाम है। बाकी दिग्गज जैसे डिकॉक, विलियम्सन, बाबर इसे केवल दो बार कर पाए हैं, इससे कोहली की निरंतरता का स्तर साफ झलकता है। कोहली की इस पारी के साथ टीम इंडिया का एक टीम रिकॉर्ड भी सामने आया। वनडे में 300 सफल चेज सबसे ज्यादा बार भारत ने किए हैं। भारतीय टीम ने ऐसा 20 बार किया है। इंग्लैंड (15) और ऑस्ट्रेलिया (14) भी टीम इंडिया से पीछे हैं। भारतीय टीम के पास चेज मास्टर्स और मध्यक्रम की स्थिरता ही इसकी सबसे बड़ी वजह है।

चोट की वजह से वॉशिंगटन सुंदर बाकी बचे 2 वनडे से बाहर आयुष बदोनी बने रिप्लेसमेंट

वडोदरा,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज में टीम इंडिया को बड़ा नुकसान हुआ है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पसली में चोट (रिब इंजरी) के चलते सीरीज के बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं। सीरीज का पहला मुकाबला वडोदरा में खेला गया था, जहां सुंदर

फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए। वहीं, बीसीसीआई ने सुंदर के रिप्लेसमेंट का एलान भी कर दिया है। पहले वनडे में सुंदर ने पांच ओवर गेंदबाजी की और 27 रन दिए, लेकिन न्यूजीलैंड की पारी के बीच वह मैदान से बाहर चले गए और वापसी नहीं कर पाए। हालांकि, बाद में उन्होंने नंबर–आठ पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद रहते हुए जीत में अहम रन जोड़े। मगर बल्लेबाजी के दौरान भी उनकी असहजता साफ दिख रही थी। वह दो रन नहीं भाग पा रहे थे। रिप्लेसमेंट बना यह खिलाड़ी राजकोट में दूसरे वनडे से पहले टीम से जुड़ जाएगा। मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने पुष्टि की थी कि स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद ही उनकी रिकवरी टाइमलाइन साफ होगी। वहीं, लोकेश राहुल ने भी मैच के बाद कहा कि उन्हें मैदान पर सुंदर की स्थिति का अंदाजा नहीं था। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं पता था कि वह दौड़ नहीं सकता। मुझे पता था कि पहली पारी में उसे कुछ परेशानी थी, लेकिन मुझे इसकी गंभीरता के बारे में पता नहीं था। वॉशिंगटन सुंदर स्पिन ऑलराउंड विकल्प के रूप में टी20 विश्व कप 2026 के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। उनकी पावरप्ले गेंदबाजी, लोअर–ऑर्डर बल्लेबाजी और ऑफ–स्पिन विकल्प, उन्हें टीम के लिए उपयोगी बनाते हैं। हालांकि, अभी टी20 विश्व कप में समय है। लेकिन देखने वाली बात होगी कि पसली में चोट से वह कितनी जल्दी उबर पाते हैं। सुंदर इससे पहले भी कई बार चोटिल होकर टीम से बाहर हो चुके हैं।

सोना 1.41 लाख प्रति 10 ग्राम चांदी की कीमतों में भी बड़ा उछाल, बाजार में बने नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक पर बढ़ती अनिश्चितता के बीच सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से कीमती धातुओं में तेज खरीदारी देखने को मिली। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 2,431 रुपये यानी 1.8 फीसदी उछलकर 1,41,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में सोना 3,058 रुपये चढ़ चुका है।

खुशी बांटना मेरा सौभाग्य, ट्रॉफियां गुरुग्राम में मां के पास, जीत के बाद कोहली ऐसा क्यों बोले?

बड़ोदा,एजेंसी। भारत के 37 वर्षीय स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में सबसे तेजी से 28,000 रन पूरे करके एक और बड़ा उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यह मुकाम अपनी 624वीं पारी में लेग स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका लगाकर पूरा किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने 644 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। कोहली अब तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। कोहली ने 91 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 93 रन की पारी खेली। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से भी नवाजा गया। मैच के बाद कोहली ने अपने करियर को याद करते हुए कहा, श्ईमानदारी से कहूं तो अगर मैं अपने पूरे सफर को देखूं तो यह किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। जब मैं आया था तो मुझे हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा था और आज मैं जिस जगह पर हूं वहां पहुंचने के लिए मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ी।श्उन्होंने आगे कहा, भगवान ने मुझे इतना कुछ दिया है कि मेरे पास शिकायत करने के लिए कुछ नहीं है इसलिए मुझे सिर्फ आभार महसूस होता है। मैं हमेशा अपने पूरे सफर को बहुत सम्मान और अपने दिल में बहुत आभार के साथ देखता हूं और मुझे इस पर गर्व महसूस होता है। कोहली ने कहा, श्इतने सारे लोगों को खुशी और मुस्कान दे पाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कोहली ने 91 गेंदों में 93 रन बनाकर भारत की जीत में मुख्य भूमिका निभाई। उन्हें करियर में 45वीं बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। अपनी पारी के बारे में उन्होंने कहा, अगर मैं सच कहूं तो जिस तरह से मैं अभी खेल रहा हूं मैं बिल्कुल भी उपलब्धियों के बारे में नहीं सोच रहा हूं। उन्होंने रणनीति को लेकर कहा, अगर हम पहले बल्लेबाजी कर रहे होते तो शायद मैं और तेजी से खेलता क्योंकि बोर्ड पर एक स्कोर था इसलिए मुझे थोड़ा संभलकर खेलना पड़ा। मुझे लग रहा था कि मैं और अधिक बाउंड्री लगाऊं।श्साझेदारी पर उन्होंने कहा, मुझे बस लगा कि अगर मैं शुरुआती 20 गेंद पर जोर लगाऊं तो हम रोहित का विकेट गिरने के तुरंत बाद एक साझेदारी बना सकते हैं जिससे विरोधी टीम बैकफुट पर चली जाएगी और असल में यही मैच में अंतर साबित हुआ। विराट कोहली ने अपने निजी पक्ष की झलक दिखाते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगभग 18 साल के करियर में मिले उनके सभी व्यक्तिगत अवॉर्ड्स वह अपनी मां के गुरुग्राम स्थित घर भेज देते हैं। मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान ने स्वीकार किया कि वह खुद इन सम्मानों का हिसाब नहीं रखते।नकोहली से जब उनकी बढ़ती 'प्लेयर ऑफ द मैच' ट्रॉफियों के संग्रह के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, श्सच कहूं तो मुझे कोई अंदाजा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मैं ट्रॉफियां गुरुग्राम में अपनी मां को भेज देता हूं। उन्हें ट्रॉफियां संभालकर रखना पसंद है। अगर मैं अपने पूरे सफर को देखूं तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मुझे हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रहा है, जहां मैं आज हूं वहां पहुंचने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। भगवान ने मुझे बहुत ज्यादा दिया है और मेरे दिल में बहुत आभार है, मुझे गर्व महसूस होता है।

भारत को जिताने के बाद कोहली ने फैंस का दिल जीता, मैदान कर्मियों के साथ खिंचवाई तस्वीर

वडोदरा,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में भारत को चार विकेट से जीत मिली। यह मैच कई मायनों में यादगार रहा, लेकिन सिर्फ स्कोरबोर्ड या रिकॉर्ड्स की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे छोटे पर बेहद दिल छू लेने वाले पल की वजह से, जिसने दर्शाया कि विराट कोहली सिर्फ महान बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी उतने ही विनम्र हैं। 37 वर्षीय विराट कोहली ने इस मुकाबले में 93 रन की शानदार पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 28,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए और इस ऑल–टाइम लिस्ट में अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर उनसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। शतक से महज सात रन दूर रहकर आउट होना थोड़ा निराशाजनक जरूर था, लेकिन उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि लक्ष्य का पीछा करते हुए उनका कोई मुकाबला नहीं। मैच खत्म होने के बाद जब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम की ओर जा रहे थे, तब विराट कोहली वहीं रुक गए। उन्होंने बड़ौदा क्रिकेट अकादमी ग्राउंड स्टाफ से बातचीत की, उनके साथ मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवाईं और यह सब तब जबकि स्टेडियम लगभग खाली हो चुका था। यह दृश्य कैमरे में कैद हुआ और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। यह पहला मौका नहीं है जब विराट ने ऐसा किया हो। इससे पहले भी वे दिल्ली में रणजी ट्रॉफी के दौरान, आईपीएल 2024 में जयपुर में, 2023 विश्व कप के दौरान कोलकाता में और 2024 में कानपुर टेस्ट के दौरान ग्राउंड स्टाफ के साथ इस तरह तस्वीरें खिंचवाते दिखे थे। हर बार उनके इस स्वभाव ने

यह संदेश दिया था कि महानता सिर्फ स्कोर से नहीं, बल्कि व्यवहार से भी मापी जाती है। 300 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने शुभमन गिल (56) और श्रेयस अय्यर (49) के साथ अहम साझेदारी निभाई। अंत में केएल राहुल और हर्षित राणा के तेजतर्रार कैमेयो ने 49वें ओवर में भारत को जीत दिलाई।

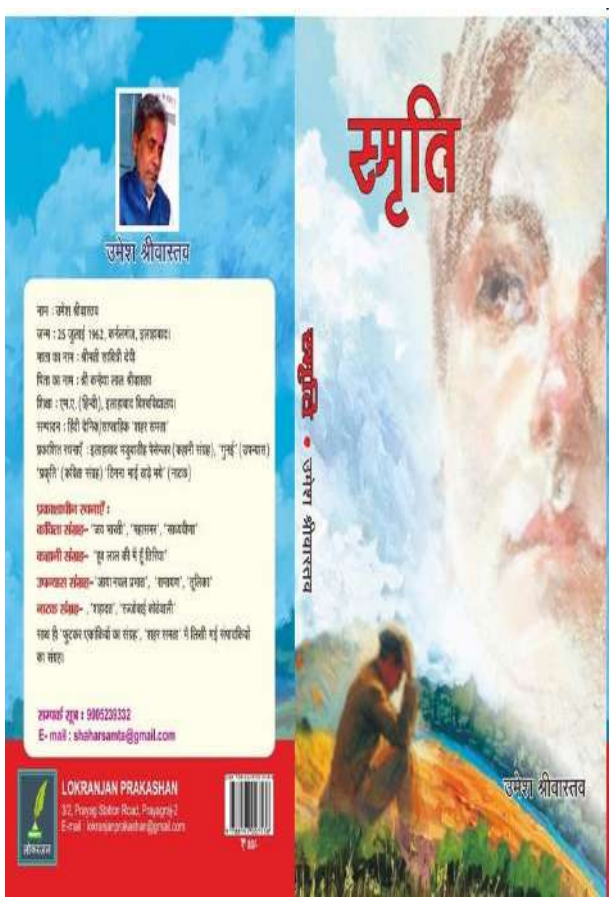

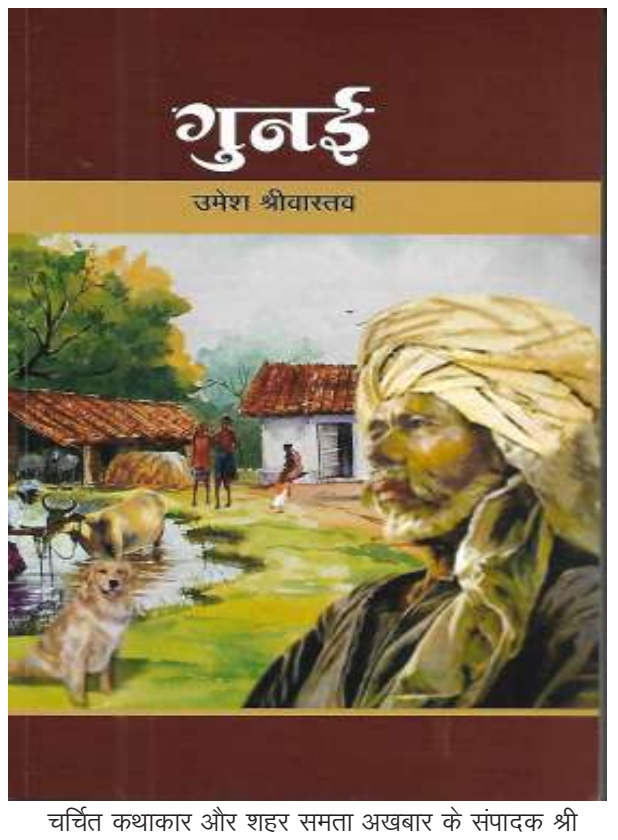

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

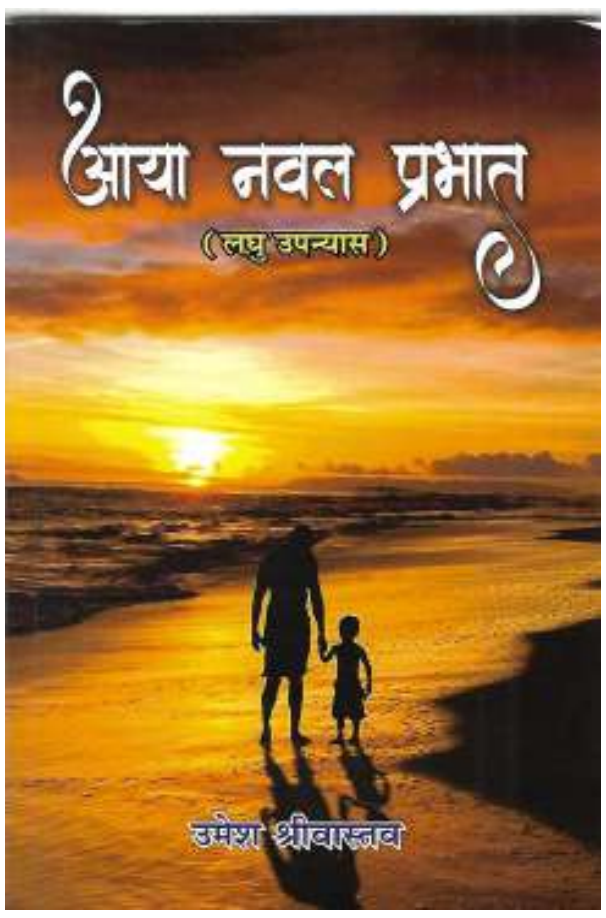

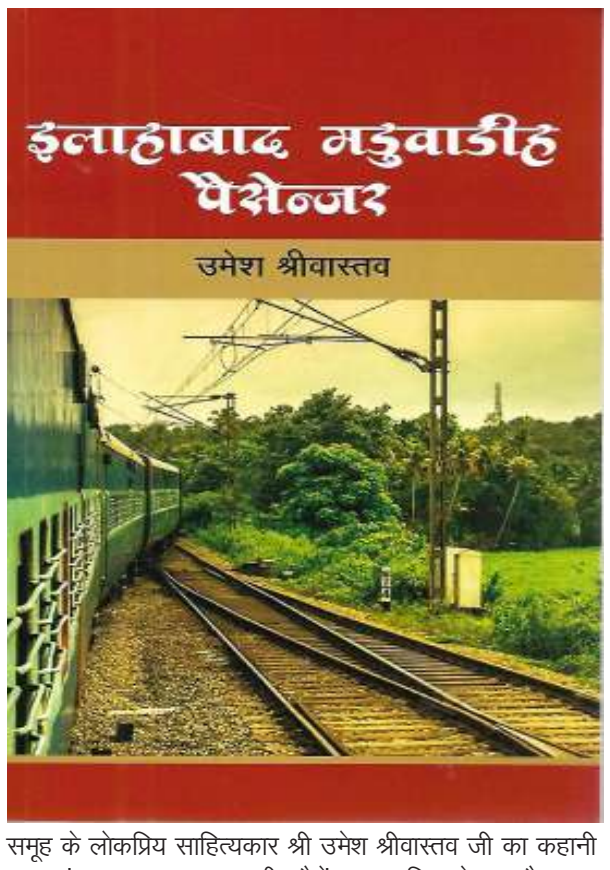

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

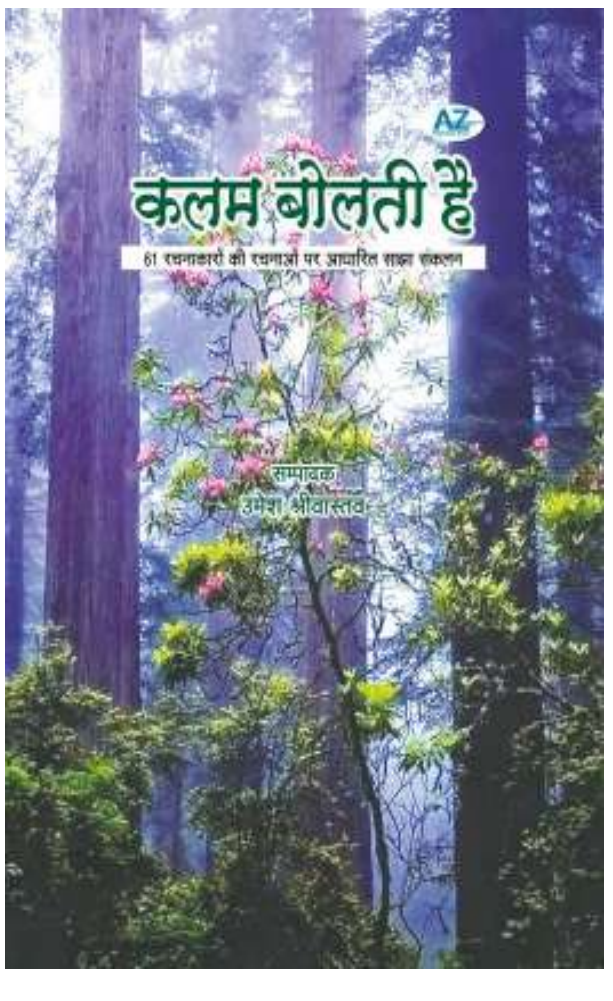

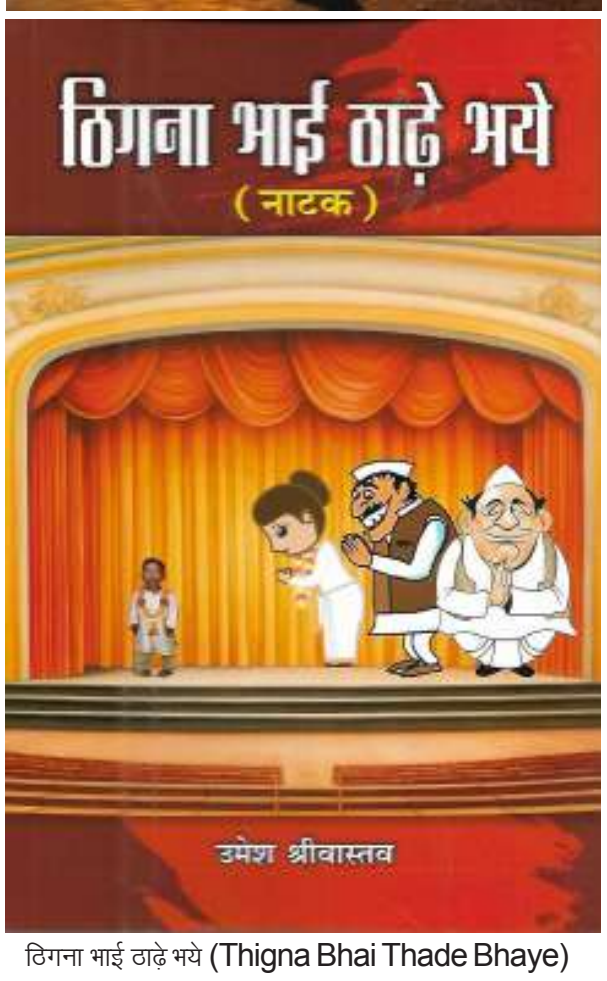

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान में खामेनेई विरोधी आंदोलन के बीच भारतीय गिरफ्तार? तेहरान ने बता दी सच्चाई

तेहरान ,एजेंसी। ईरान की जनता सड़कों पर है। खामेनेई सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रही है। बढ़ती महंगाई, खराब अर्थव्यवस्था और गिरते मुद्रा के स्तर के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और भारी तादाद में लोग सड़कों पर आकर

सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे हैं। सत्ता विरोधी आंदोलन में अब तक 500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच ईरान में बढ़ती हिंसा को लेकर सोशल मीडिया पर एक खबर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें दावा किया गया कि ईरान की पुलिस ने कई भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि ईरान ने इन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। दरअसल, तेहरान सहित देशभर में फैले आंदोलन के बीच दावा किया गया था कि ईरानी पुलिस ने छह भारतीयों को गिरफ्तार किया है। पोस्ट में दावा किया गया कि ईरानी पुलिस ने 10 अफगान और 6 भारतीय नागरिकों सहित कुछ ईरानी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। जिस पर भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहअली ने भारतीयों की गिरफ्तारी से जुड़ी रिपोर्टों को पूरी तरह झूठा बताया है।

बांग्लादेश बोला– गाजा में अपने देश के सैनिक भेजने की चाह, इंडोनेशिया के गैस स्टेशन पर लगी भीषण आग

बांग्लादेश,एजेंसी। बांग्लादेश ने गाजा में तैनात अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल में शामिल होने की इच्छा जताई है। वाशिंगटन में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान ने अमेरिकी राजनयिकों के साथ बैठक में यह प्रस्ताव रखा। बांग्लादेशी सरकार के बयान के अनुसार, देश सैद्धांतिक रूप से इस शांति बल का हिस्सा बनने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने नवंबर के मध्य में एक प्रस्ताव पारित कर गाजा में इस अस्थायी बल की स्थापना को मंजूरी दी थी। अक्तूबर में संघर्ष विराम के बावजूद गाजा में मानवीय संकट बरकरार है और हिंसा जारी है। इंडोनेशिया के पनाबो शहर में गैस स्टेशन पर भीषण आग लगने की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को पनाबो शहर के बरांगे मनाय में एक गैस स्टेशन में भीषण आग लगी। आसमान में घने धुएं का गुबार देखा गया। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफलता पाई। आग लगने के कारणों की जांच जारी है। मशहूर रॉकस्टार और अमेरिकी रॉक बैंड द ग्रेटफुल डेड के सह–संस्थापक, गायक बॉब वियर का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर बताया कि वियर लंबे समय से कैंसर और फेफड़ों की समस्याओं से जूझ रहे थे। वह अपने अंतिम क्षण में अपनों के बीच थे। छह दशकों के अपने संगीत सफर में वियर ने अमेरिकी संगीत को एक नई पहचान दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि दक्षिण–पश्चिमी इक्वाडोर के एक बीच पर रस्सियों से पांच इंसानी सिर लटके मिले, क्योंकि देश ड्रग तस्करी से जुड़ी हिंसा की लहर से जूझ रहा है। इक्वाडोर के मीडिया आउटलेट्स द्वारा पब्लिश की गई तस्वीरों में खूनी मंजर दिख रहा था। सिरों के पास प्यूर्टो लोपेज के छोटे मछली पकड़ने वाले बंदरगाह में मछुआरों से कथित तौर पर जबरन वसूली करने वालों के लिए एक चेतावनी का साइन लगा था। रस्सियां बीच पर लकड़ी के खंभों से बंधी थीं। एक पुलिस रिपोर्ट में इस घटना का कारण आपराधिक गिरोहों के बीच संघर्ष बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कार्टेल से जुड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क इस इलाके में एक्टिव हैं और उन्होंने अपनी गैर–कानूनी गतिविधियों के लिए मछुआरों और उनकी छोटी नावों का इस्तेमाल किया है। इलाके और ड्रग तस्करी के रास्तों पर कंट्रोल के लिए विवाद ने मनाबी प्रांत में हिंसक घटनाओं को जन्म दिया है, जहां प्यूर्टो लोपेज स्थित है।

'यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं', तीन हफ्तों में दूसरी बार टौरंगा में सिख नगर कीर्तन का विरोध

टौरंगा ,एजेंसी। न्यूजीलैंड के टौरंगा शहर में रविवार को सिख समुदाय के वार्षिक नगर कीर्तन के रास्ते में स्थानीय राइट.विंग धार्मिक समूह के लोगों ने फिर से दखल दिया। यह तीन हफ्तों में दूसरी बार है जब इस तरह का विरोध देखा गया है। नगर कीर्तन सुबह 11 बजे गुरुद्वारा सिख संगत मंदिर से शुरू हुआ और कैमरन रोड से टौरंगा बॉयज कॉलेज की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से सुरक्षा बढ़ा रखी थी क्योंकि पिछले कुछ समय में इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। बता दें कि प्रदर्शन करने वाले समूह जो पेंटेकोस्टल नेता ब्रायन तमाकी के डेस्टिनी चर्च से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस समूह के लोगों ने कीर्तन के सामने मैओरी हाका नामक पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन किया और यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं, जैसे नारों वाले बैनर दिखाए। हालांकि कोई बड़ी हिंसा नहीं हुई और पुलिस तथा कीर्तन के स्वयंसेवकों की संयुक्त मदद से यह कार्यक्रम शांति से पूरा हो गया। इस विरोध प्रदर्शन को लेकर तमाकी ने सोशल मीडिया पर खुद एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने इस प्रदर्शन को शांति पूर्ण बताया। साथ ही वीडियो के कैप्सन में लिखा कि किसकी सड़के? कीवी की सड़के! हालांकि दूसरी ओर शिरोमणि गुरुद्वारा परबंधक समिति (एसजीपीसी) ने इस विरोध की कड़ी निंदा की है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ईरान के विदेश मंत्री का US पर आरोप– प्रदर्शन में हिंसा बहाना, हस्तक्षेप की ताक में डोनाल्ड ट्रंप

तेहरान ,एजेंसी। ईरान में बीते 15 दिनों से खामेनई सत्ता के खिलाफ जनता का उग्र विरोध ा प्रदर्शन जारी है। सरकार विरोध ी आंदोलन की आग राजधानी तेहरान से लेकर देश के सभी 31 प्रांतों तक फैल चुकी है। इस बीच अशांत ईरान को लेकर विदेश मंत्री ने बड़ा दावा किया है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि देश के अंदर स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ चुकी है। इसी के साथ उन्होंने हिंसा के लिए इस्राइल और अमेरिका को दोषी ठहराया है। हालांकि उन्होंने कोई सबूत पेश नहीं किया। इसी के साथ उन्होंने देश के अंदर उपजे हालात के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी घेरा। अमेरिका पर आरोप लगाते हुए सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को हिंसक और खूनी बनाया गया ताकि ट्रंप को दखल देने का बहाना मिल सके। दरअसल, ट्रंप लगातार ईरान की सरकार को आंदोलनकारियों पर कार्रवाई करने को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। हालांकि अराघची ने सामने आए मृतकों के आंकड़ों पर कोई बयान या सबूत नहीं दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान 500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जिनमें ज्यादातर प्रदर्शनकारी थे। तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बात करते हुए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तीखे शब्दों में इस बात पर जोर दिया कि श्स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ गई है।

कतर द्वारा वित्त पोषित अल जजीरा सैटेलाइट न्यूज नेटवर्क पर प्रसारित बयान में अराघची ने कहा, श्इसीलिए प्रदर्शन हिंसक और खूनी हो गए ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके।ट बता दें कि देश के अंदर इंटरनेट बंद होने के बावजूद अल जजीरा को देश के अंदर से लाइव रिपोर्टिंग करने की अनुमति दी गई है।

'मैंने भारत-पाक संघर्ष रोका..', नोबेल नहीं मिलने पर ट्रंप का छलका दर्द, ओबामा पर भी साधा निशाना

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच

संघर्ष को रोका और कुल आठ युद्ध समाप्त किए। ट्रंप ने कहा कि इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में यह पुरस्कार मिला था। ट्रंप ने कहा मैंने आठ युद्ध खत्म किए। अगर आप उन युद्धों को देखें, ये आसान नहीं थे। भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़ने वाले थे। लेकिन हमने आठ युद्धों को रोक दिया, कुछ युद्ध 30 साल से भी लंबे समय तक चल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोई और आठ युद्ध समाप्त नहीं कर पाया। ट्रंप ने ओबामा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पुरस्कार मिला, जबकि वे यह भी नहीं जान पाए कि क्यों मिला। ट्रंप का यह दावा पिछले कुछ महीनों में लगातार दोहराया जा रहा है। उन्होंने मई 2025 में सोशल मीडिया पर कहा था कि भारत और पाकिस्तान ने अमेरिकी मध्यस्थता के बाद तत्काल युद्धविराम स्वीकार किया। हालांकि, भारत ने हमेशा किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में तेल और गैस उद्योग के नेताओं से मिलने के दौरान कहा चाहे लोग मुझे पसंद करें या न करें, मैंने आठ बड़े युद्धों को समाप्त किया, कुछ युद्ध 36, 32, 31, 28 और 25 वर्षों से चल रहे थे। भारत और पाकिस्तान के बीच भी युद्ध शुरू ही होने वाला था, आठ विमानों को मार गिराया गया और मैंने इसे बिना परमाणु हथियारों के जल्दी रोक दिया। ट्रंप ने यह भी बताया कि पाकिस्तानी प्रध ाानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा कि ट्रंप ने युद्ध रोककर करोड़ों जिंदगियों को बचाया। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु संपन्न देश, बड़े संघर्ष के लिए तैयार थे। आठ विमान गिराए गए और मैंने इसे रोक दिया। हर युद्ध रोकने पर नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। जिसके जवाब में भारत ने 7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। लगातार चार दिनों तक भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई और जमीनी संघर्ष से तनाव बढ़ा। इसके बाद 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क कर संघर्षविराम का अनुरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों की सहमति बनी। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 मई 2025 को घोषणा की कि उन्होंने दोनों देशों के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम सुनिश्चित किया। भारत ने इस दावे को हमेशा नकारा और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया। जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका और चीन की भूमिका की सराहना की। इसके बाद से अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने का दावा कर चुके है।

ट्रंप ग्रीनलैंड हथियाने पर अड़े, आर्कटिक सेंट्री मिशन के तहत NATO क्या करेगा?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मंशा जगजाहिर

कर चुके हैं। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को लेकर धमकी भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच एक बार फिर ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि वह ऐसा होने नहीं देंगे और श्किसी भी तरहश ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बनेगा। ट्रंप ने दो टूक बयान देते हुए कहा कि हम ग्रीनलैंड को किसी भी कीमत पर हासिल करेंगे। साथ ही उन्होंने नाटो को भी निशाने पर लिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अब कहा कि अगर हम ग्रीनलैंड नहीं लेते हैं, तो रूस या चीन ग्रीनलैंड ले लेंगे। और मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। मुझे उनके (ग्रीनलैंड के साथ) एक डील करना पसंद आएगा। यह आसान है। लेकिन किसी भी तरह से, हम ग्रीनलैंड लेने वाले हैं। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से बेहद अहम क्षेत्र माना जाता है, जहां प्राकृतिक संसाधनों के साथ–साथ आर्कटिक क्षेत्र में सैन्य और भू–राजनीतिक संतुलन भी जुड़ा हुआ है। इसी के साथ ट्रंप ने नाटो (NATO) को लेकर भी अपनी सख्त प्रतिक्रिया दी। नाटो पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि नाटो को बचाने वाले वही हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सदस्य देशों को उनके रक्षा बजट पर खर्च करने के लिए मजबूर किया। पहले वे जीडीपी का सिर्फ 2 प्रतिशत भी नहीं देते थे, अब वे 5 प्रतिशत तक भुगतान कर रहे हैं। अगर मैं राष्ट्रपति नहीं होता, तो शायद आज नाटो ही नहीं होता।श ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि जरूरत पड़ने पर क्या नाटो देश अमेरिका के साथ खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने नाटो पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन बदले में भरोसे की कोई गारंटी नहीं है। साथ ही उन्होंने यह संकेत भी दिया कि अगर अमेरिका नाटो से बाहर निकलता है, तो इससे नाटो को आर्थिक नुकसान होगा। नाटो को भी दिखाया ट्रंप ने आईना डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, श्मैंने ही उन्हें जीडीपी का 5.5: हिस्सा देने के लिए राजी किया। पहले यह 2 फीसदी था, और वे नहीं देते थे। अब वे 5 प्रतिशत दे रहे हैं। नाटो को बचाने वाला मैं ही हूं। अगर मैं राष्ट्रपति नहीं होता तो नाटो होता ही नहीं। हो सकता है नाटो नाराज हो जाए अगर मैं ऐसा करूं (अगर मैं अमेरिका को नाटो से बाहर निकाल लूं)। हो सकता है नाटो से बहुत सारा पैसा बच जाए। मुझे नाटो पसंद है। मैं बस सोचता हूं कि अगर हमें नाटो की जरूरत पड़ी, तो क्या वे हमारे लिए मौजूद रहेंगे? मुझे यकीन नहीं है कि वे होंगे। हमने नाटो पर बहुत पैसा खर्च किया है।श क्या है मिशन आर्कटिक सेंट्री? ट्रंप को रोकने का प्लान

खबरों की मानें तो ट्रंप को रोकने के लिए 31 देश मिलकर एक गोपनीय मिशन चला रहे हैं, जिसे श्आर्कटिक सेंट्रीश नाम दिया गया। इस मिशन का सीध ाा मकसद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर बढ़ती महत्वाकांक्षा को रोकना है। इसी के साथ ग्रीनलैंड में सैन्य मौजूदगी बढ़ाने भी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक इसकी अगुवाई ब्रिटेन और जर्मनी कर रहे हैं।

जिसका साफतौर पर यह संदेश देना है कि यूरोप और नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन यानी नाटो आर्कटिक सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर है। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले रिपोर्ट में दावा किया कि जर्मनी आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक संयुक्त नाटो मिशन तैयार कर रहा है। , जिसका नाम श्आर्कटिक सेंट्रीश है, जो कि नौ देशों से घिरा बाल्टिक सागर के लिए किए गए बाल्टिक सेंट्री मिशन की तरह होगा।

भिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करे ईरान सरकारश्य यूएन महासचिव गुटेरेस की सख्त अपील

जिनेवा,एजेंसी। ईरान में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरानी सरकार से सख्त लेकिन संवेदनशील अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को हालात संभालते समय अधिकतम संयम बरतना चाहिए और जनता के अभिव्यक्ति, संगठन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों का पूरी तरह सम्मान करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब बीते 15 दिनों में ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 420 लोगों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी मानवाधिकार कार्यकर्ता इन ईरान (एचआरए) ने दी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी रिपोर्ट किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए

गए अपने बयान में गुटेरेस ने कहा कि वे ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों से स्तब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अनावश्यक या असमानुपातिक बल का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि ईरान में सूचना तक पहुंच बहाल की जाए, खासकर संचार सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए ताकि लोग सच्चाई तक पहुंच सकें। इस बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ईरान की स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ईरान में हो रहे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है और ईरानी नागरिकों की बहादुरी को पूरा विश्व देख रहा है। गौरतलब है कि ये विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुए थे, लेकिन जल्द ही ये देशव्यापी आंदोलन में बदल गए। कई शहरों में झड़पें, गिरफ्तारियां और सख्त सरकारी कार्रवाई देखने को मिली। मानवाधि ाकार संगठनों ने लगातार मौतों की संख्या और प्रदर्शनकारियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता जताई है। वहीं, ईरानी सरकार का कहना है कि यह सब विदेशी हस्तक्षेप और दंगाइयों की वजह से हो रहा है। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मार्को रुबियो बनेंगे 'क्यूबा के राष्ट्रपति'?: ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा– यह सुनने में अच्छा लग रहा है...

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों में एक बार फिर तीखापन नजर आ रहा है। लैटिन अमेरिका में बदलते समीकरणों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने जहां क्यूबा को अमेरिका के साथ डील करने की खुली चेतावनी दी, वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो को क्यूबा का राष्ट्रपति बनाने के सुझाव पर सहमति जताकर सियासी हलचल बढ़ा दी। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो श्क्यूबा के राष्ट्रपतिश बनते हैं तो यह विचार उन्हें अच्छा लगता है। साथ ही उन्होंने क्यूबा को चेतावनी दी कि बहुत देर होने से पहले अमेरिका के साथ समझौता कर ले। ट्रंप ने यह टिप्पणी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए की। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा था, श्मार्को रुबियो क्यूबा के राष्ट्रपति होंगेश। ट्रंप ने इसे शेयर करते हुए लिखा, श्यह सुनने में अच्छा लग रहा है। हालांकि अपने बड़बोलेपन के लिए प्रसिद्ध आए दिन कई ऐसे दावे सोशल मीडिया पर करते रहते हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने रविवार को क्यूबा को कड़ा संदेश भेजा है कि अगर वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अब वेनेजुएला से तेल और आर्थिक मदद बंद कर दी जाएगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि वेनेजुएला ने वर्षों तक क्यूबा को तेल और पैसा देकर सहारा दिया, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई तेल या पैसा क्यूबा को नहीं मिलेगा, शून्य और कहा कि क्यूबा को समझौता करना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। ट्रंप ने आरोप लगाया कि क्यूबा ने वेनेजुएला को सुरक्षा सेवाएं दी थीं, लेकिन अब वेनेजेला को संरक्षण के लिए अमेरिका की मदद की जरूरत है। इससे पहले अमेरिका ने वेनेजुएला में अपने कदम बढ़ाए हैं और वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण की कोशिश की है। गौरतलब है कि क्यूबा लंबे समय से वेनेजुएला के तेल पर निर्भर रहा है, और तेल सहायता रुकने से कृबा की अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में ट्रंप का यह बयान अमेरिका–क्यूबा और वेनेजुएला के रिश्तों में नई राजनीतिक चुनौतियों को दिखाता है।

'हमला किया तो इस्राइल के साथ अमेरिकी सेना बनेगी निशाना', ट्रंप की धमकी पर भड़का ईरान

दुबई ,एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इस्राइल पर वैध निशाना होंगे। मोहम्मद बगेर कालिबाफ की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरान पर हमले के बाद संभावित निशानों की सूची में इस्राइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी जब ईरानी संसद में सांसद श्अमेरिका मुर्दाबादश के नारे लगाते हुए मंच पर चढ़ गए। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लिए अपनी योजना के बारे में एक बड़ा संकेत दिया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को उन्हें ईरान पर हमले के संभावित विकल्पों के बारे में जानकारी दी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान पर अमेरिका के संभावित हमले की आशंका के मद्देनजर इस्राइल हाई अलर्ट पर है। रिपोर्ट में हफ्ते के आखिरी में इस्राइली सुरक्षा बैठकों में भाग लेने वाले तीन लोगों का हवाला दिया गया है। दावा किया गया है कि इस्राइलल ईरान में अमेरिका की ओर से संभावित कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि शनिवार को फोन पर हुई बातचीत के दौरान इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावना के बारे में बात की। वहीं, डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अमेरिकी सेना को ग्रीनलैंड पर संभावित आक्रमण के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार करना शुरू करने के निर्देश दिए। हालांकि, ट्रंप के निर्देश पर शीर्ष सैन्य अधिकारियों की ओर से विरोध जताया गया।